सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

हर्षल पटेल ने आईपीएल में बड़ा रिकॉर्ड... -पेजः 7

'मां' मेरी पहली हॉरर माइथोलॉजी फिल्म है -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 53 | शनिवार- 31 मई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

संक्षिप्त समाचार

उच्चतम न्यायालय ने दिया नीट-पीजी 2025 परीक्षा एक ही पाली में कराने का निर्देश

नयी दिल्ली (एजेंसी) उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि 15 जून को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) 2025 दो पालियों के बजाय एक ही पाली में आयोजित की जाए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने संबंधित प्राधिकारियों को एक पाली में परीक्षा आयोजित कराने की व्यवस्था करने और पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पीठ में न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया भी शामिल थे। पीठ ने कहा कि दो पालियों में परीक्षा आयोजित करने से मनमानी होती है। न्यायालय ने कहा, "किसी भी दो प्रश्नपत्रों के कठिनाई या सरलता का स्तर एक समान नहीं कहा जा सकता।"

न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के लिए यूट्यूबर पर कार्यवाही

नयी दिल्ली (एजेंसी) उच्चतम न्यायालय ने चंडीगढ़ के पत्रकार एवं यूट्यूबर अजय शुक्ला के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को अवमानना कार्यवाही शुरू की। शुक्ला ने अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए वीडियो में शीर्ष अदालत के कुछ न्यायाधीशों के खिलाफ ''कुत्सित'', अपमानजनक और निंदनीय टिप्पणी की थीं। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति एएस चांदुरकर की पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि आपत्तिजनक वीडियो को तुरंत हटा दिया जाए और चैनल को इस वीडियो या इस तरह की विषय-वस्तु को पुन:प्रकाशित करने से रोक दिया जाए। पीठ ने वरप्रद मीडिया के प्रधान संपादक शुक्ला को नोटिस भी जारी किया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने टिप्पणियों को 'बहुत गंभीर' बताया और इस मुद्दे का स्वत: संज्ञान लेने के लिए पीठ के प्रति आभार व्यक्त किया।

इंडिया' गठबंधन को चेहरा घोषित किए बिना बिहार चुनाव में उतरना चाहिएः पप्पू यादव

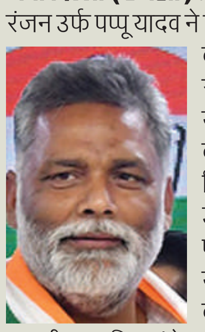

नयी दिल्ली (एजेंसी) निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन को मुख्यमंत्री पद के लिए राजद के नेता तेजस्वी यादव या किसी अन्य नेता का चेहरा घोषित किए बिना बिहार विधानसभा चुनाव में उतरना चाहिए। बिहार के पूर्णिया से लोकसभा सदस्य यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में यह भी कहा कि कांग्रेस को इस विधानसभा चुनाव में कुल 243 सीटों में से कम से कम 100 सीटों पर लड़ना चाहिए और अपने हिस्से में परंपरागत वोट वाली सीटें लेनी चाहिए। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव संभावित हैं। राज्य में राजग के सामने इंडिया है जिसे राज्य में महागठबंधन के नाम से भी जाना जाता है। इस गठजोड़ में राजद, कांग्रेस, वाम दल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर में विकास नहीं रुकेगा; हमें नुकसान पहुंचाने वालों को मुंहतोड़ जवाब मिलेगा: शाह

पुंछ/जम्मू (एजेंसी) केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वालों को ''कड़ा और मुंहतोड़'' जवाब दिए जाने की चेतावनी देते हुए शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 में शुरू हुआ जम्मू कश्मीर का विकास उकसावे भरी हालिया कार्रवाइयों के बावजूद न तो रुकेगा और न ही धीमा पड़ेगा।

शाह ने सीमावर्ती पुंछ जिले से आश्वासन और संकल्प का संदेश देते हुए कहा कि हालिया अशांति के कारण विकास में आई रुकावट क्षणिक है और केंद्र शासित प्रदेश की प्रगति जल्द ही पुनः अपनी गति पकड़ लेगी।

उन्होंने गोलाबारी के दौरान आम नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया की भी प्रशंसा की।

शाह ने यहां लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''जम्मू-कश्मीर का विकास न तो रुकेगा और न ही धीमा होगा। जो गति 2014 में शुरू हुई थी, वह जारी रहेगी। जो कोई भी हमें नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, उसे कड़ा और मुंहतोड़ जवाब मिलेगा।'' शाह ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के पदभार संभालने के तुरंत बाद आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए सीमा पर बंकर बनाने का फैसला किया गया था।

उन्होंने कहा कि अब तक 9,500 से अधिक बंकर बनाए जा चुके हैं, जिन्होंने हाल में आम लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बीएसएफ ने पाकिस्तान को ऐसा झटका दिया है जिससे उबरने में उसे कई साल लगेंगे

*'**ऑपरेशन** सिंदूर' के बाद जम्मू-कश्मीर की अपनी पहली यात्रा के दौरान शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल ने दुश्मन के निगरानी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है, जो एक बड़ा झटका है और इसकी भरपाई करने में उन्हें वर्षों लग जाएंगे।*

सुरक्षा स्थिति, अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करने और पाकिस्तानी गोलाबारी के पीड़ितों से बातचीत करने के लिए जम्मू क्षेत्र के अपने दो दिवसीय दौरे के समापन पर केंद्रीय गृह मंत्री ने बीएसएफ जवानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि तीन दिनों में 118 से अधिक चौकियों को क्षतिग्रस्त या नष्ट करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

परमाणु बम की 'गीदड़ भभकी' से नहीं डरेगा भारतः प्रधानमंत्री

कानपुर (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान को सख्त संदेश देते हुए शुक्रवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है और अब हर आतंकवादी हमले का करारा जवाब देने का इरादा कर चुका भारत परमाणु बम की 'गीदड़ भभकी' से डरने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री ने कानपुर में 47 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद अपने संबोधन में पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा, "मैं फिर कहना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वह किसी धोखे में ना रहे.... ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।" उन्होंने कहा, "भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय किये हैं। पहला, भारत हर आतंकवादी हमले का करारा जवाब देगा। उसका समय, जवाब देने का तरीका और जवाब देने की शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। दूसरा, भारत अब परमाणु बम की गीदड़ भभकी से नहीं डरेगा। और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा...और तीसरा, आतंक के आका तथा आतंक की सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से दिखेगा। पाकिस्तान का 'स्टेट' और 'नॉन स्टेट एक्टर' वाला खेल अब नहीं चलने वाला।" प्रधानमंत्री ने कानपुर से अपने जुड़ाव को प्रदर्शित करते हुए पाकिस्तान को एक तल्ख संदेश दिया और कहा, "अगर मैं सीधी-सीधी कनपुरिया भाषा में कहूं तो दुश्मन कहीं भी हो, हौंक दिया जाएगा।" मोदी ने कहा, "कानपुर में विकास का यह कार्यक्रम पहले 24 अप्रैल को होने वाला था लेकिन पहलगाम हमले के कारण मुझे अपना कानपुर दौरा रद्द करना पड़ा।

'आतंकवाद सांप की तरह है, दोबारा फन उठाया तो बिल से खींचकर कुचल देंगे'

काराकाट (बिहार) (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद की तुलना सांप से करते हुए शुक्रवार को कहा कि अगर ''उसने दोबारा फन उठाया तो उसे उसके बिल से बाहर खींचकर कुचल दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में बैठे पहलगाम हमले के साजिशकर्ताओं के ठिकानों को नष्ट कर दिया है। मोदी ने बिहार की राजधानी पटना से लगभग 140 किलोमीटर दूर काराकाट में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के ''तरकश का मात्र एक तीर है।'' उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई ''न तो समाप्त हुई है, न ही रुकी है।''

'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है : प्रधानमंत्री मोदी

__प्रधानमंत्री नरेन्द्र__ मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को तबाह किया। और सेना का यह अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। मोदी ने कहा, "हमने पाकिस्तान में सैकड़ों मील अंदर जाकर आतंकियों के ठिकानों को तबाह किया।" उन्होंने स्पष्ट किया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। इसने देसी हथियारों और 'मेक इन इंडिया' की ताकत दुनिया को दिखा दी है।"

इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने यहां चकेरी हवाईअड्डे पर पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की।

मोदी ने 47,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के कानपुर में 47,600 करोड़ रुपये से अधिक की 15 वृहद विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

मोदी ने चुन्नीगंज से कानपुर सेंट्रल तक कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के नये भूमिगत खंड का उद्घाटन किया। इस खंड में पांच नये भूमिगत स्टेशन- चुन्नीगंज, बड़ा चौराहा, नवीन मार्केट, नयागंज और कानपुर सेंट्रल शामिल हैं।

कानपुर मेट्रो के इस विस्तार के साथ लाल इमली, जेड स्क्वायर मॉल, ग्रीन पार्क स्टेडियम, परेड ग्राउंड, बुक मार्केट और सोमदत्त प्लाजा जैसे महत्वपूर्ण स्थल इस मेट्रो से सीधे जुड़ जाएंगे।

एक बयान के मुताबिक, वर्तमान में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-कानपुर से मोतीझील तक नौ स्टेशन परिचालन में हैं। इस नये खंड से शहर में मेट्रो से यात्रा अधिक सुविधाजनक, तेज और सुरक्षित हो जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने घाटमपुर में 660 मेगावाट की बिजली इकाई और पनकी में एक तापीय बिजली परियोजना का भी उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से उत्तर प्रदेश और पड़ोसी राज्यों के लिए स्थिर तथा पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, पनकी ऊर्जा संयंत्र से कल्याणपुर तक दो नये रेलवे पुलों का भी उद्घाटन किया गया।

भाजपा के पूर्व सहयोगी के कार्यक्रम में मंच साझा कर सकते हैं राहुल और पवार

नयी दिल्ली (भाषा) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, 'राष्ट्रीय समाज पक्ष' के संस्थापक महादेव जानकर द्वारा शनिवार को अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में मंच साझा कर सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में 2016-19 में मंत्री रहे जानकर को 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा कथित तौर पर नजरअंदाज कर दिया गया, जिसके कारण उन्हें अपना रास्ता पार्टी से अलग करना पड़ा। धनगर समुदाय से ताल्लुक रखने वाले जानकर इसके बाद विपक्षी गठबंधन के साथ हैं। उन्होंने होल्कर राजवंश की रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर समारोह का आयोजन किया है। होल्कर राजवंश की जड़ें धनगर समुदाय से जुड़ी मानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि राहुल

गांधी, पवार और यादव ने राष्ट्रीय राजधानी में होल्कर रानी के जयंती समारोह को संबोधित करने के उनके निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है।

युवा कांग्रेस ने भाजपा नेताओं के 'अपमानजनक' बयानों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारतीय युवा कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक आर. एस. पठानिया और पार्टी के कुछ अन्य नेताओं द्वारा लगातार भारतीय सेना के बारे में दिए गए ''अपमानजनक'' बयानों के विरोध में शुक्रवार को प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि भाजपा विधायक पठानिया का बयान, सेना का सीधा अपमान है।

उन्होंने कहा, ''पहले विजय शाह, फिर (जगदीश) देवड़ा, अब पठानिया ने इस तरह के बयान दिए हैं। आखिर प्रधानमंत्री मोदी जी चुप क्यों हैं?'' दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं और उनके विधायकों का यह नया फैशन बन गया है कि सेना को लेकर अपशब्द बोले जाएं।

उन्होंने कहा, ''ऐसे नेताओं को उनके पदों से जल्द से जल्द बर्खास्त किया जाना चाहिए और इन पर देशद्रोह का मुकदमा होना चाहिए।''

सोशल मीडिया पर नौ सेकंड का एक वीडियो क्लिप वायरल हुआ जिसमें पठानिया को कथित तौर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना की भूमिका की आलोचना करते हुए और उनकी क्षमता पर सवाल उठाते हुए सुना जा सकता है।

उधमपुर पूर्व से विधायक पठानिया ने आरोपों से साफ इनकार करते हुए दावा किया कि उनकी छवि खराब करने के लिए क्लिप से छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी की विधिक इकाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

सरकार ने अपने कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर छात्रवृत्ति वितरित की

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत दिल्ली सरकार ने अपने कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर शुक्रवार को दिल्ली उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सहायता योजना के तहत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरित की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने 'इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल ऑडिटोरियम' में विद्यार्थियों को सम्मानित किया और छात्रवृत्तियां प्रदान कीं। सूत्रों के अनुसार इस पहल के लिए 19 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को राज्य सरकार के 100 दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में उपलब्धियों की एक 'कार्यपुस्तिका' जारी की।

गुप्ता ने कहा, ''यह कोई रिपोर्ट कार्ड नहीं है, बल्कि एक कार्यपुस्तिका है। सरकार द्वारा किए गए सभी कार्यों को इसमें जोड़ा जाता रहेगा।'' पिछले 100 दिनों में सरकार द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार के मंत्रियों के साथ राज्य के अन्य मंत्री और पार्षद दिल्ली की सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि शनिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें पिछले 100 दिनों की उपलब्धियों के बारे में लोगों को विस्तार से बताया जाएगा।

घरेलू हिंसा से पीड़ित मां के बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतराः अध्ययन

नयी दिल्ली (एजेंसी) भारत में घरेलू हिंसा का शिकार माताओं के बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य विकारों का खतरा होता है। एक अध्ययन में सामने आया कि घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के नाबालिग बच्चों को चिंता और अवसाद की समस्या हो सकती है। 'पीएलओएस वन पत्रिका' में प्रकाशित निष्कर्ष भारत में दर्दनाक यादों के प्रति संवेदनशील स्कूल कार्यक्रमों और घरेलू हिंसा की रोकथाम की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। बेंगलुरु स्थित 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज', सीवीईडीए कंसोर्टियम और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के शोधकर्ताओं ने माताओं व उनके नाबालिग बच्चों के लगभग 2,800 जोड़ों का अध्ययन किया।

आंकड़े शहरी और ग्रामीण भारत के सात केंद्रों से जुटाए गये, जिसमें 12 से 17 वर्ष की आयु के नाबालिगों में मानसिक स्वास्थ्य विकारों और उनकी माताओं को प्रभावित करने वाले मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और यौन शोषण के पहलुओं की जांच की गई।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, घरेलू हिंसा का सामना करने वाली माताओं के नाबालिग बच्चों में 'चिंता और अवसाद' सहित सामान्य मानसिक विकारों का खतरा होता है।

अध्ययन में पाया गया, "अवसाद विकार विशेष रूप से शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और यौन दुर्व्यवहार से जुड़ा है जबकि चिंता विकार केवल शारीरिक और यौन दुर्व्यवहार से जुड़ा है।"

दिल्ली के छात्रों में मोटापा सरकारी स्कूलों की तुलना में निजी स्कूलों में पांच गुना अधिकः अध्ययन

नयी दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली में स्कूल जाने वाले किशोर बच्चों में मोटापे की प्रबलता सरकारी स्कूलों की तुलना में निजी स्कूलों में पांच गुना अधिक है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के एक नए अध्ययन में यह जानकारी दी गयी है। उल्लेखनीय है कि दोनों प्रकार के स्कूलों में लड़कियों की तुलना में लड़कों में मोटापे की प्रबलता अधिक है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा वित्तपोषित इस अध्ययन में एम्स के एंडोक्राइनोलॉजी, कार्डियक बायोकेमिस्ट्री और बायोस्टैटिस्टिक्स विभागों के शोधकर्ता शामिल थे। उन्होंने छह से 19 वर्ष की आयु के 3,888 छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रखी, जिनमें से 1,985 सरकारी स्कूलों से और 1,903 निजी स्कूलों से थे।

संपादकीय

शोध ने बताया साइलेंट हार्ट अटैक की वजह

हाल के वर्षों में उन तमाम घटनाओं ने हर आम भारतीय को विचलित किया, जिसमें हमने लोगों को खेलते वक्त, दफ्तर में काम करते समय, मंच पर नृत्य करते अचानक बेहोश होकर गिरते देखा। इसे साइलेंट हार्ट अटैक के रूप में देखा गया। तुरत-फुरत अस्पताल ले जाने के बाद पता चला कि उस व्यक्ति की तो मृत्यु हो चुकी है। तब कुछ लोगों ने वैक्सीन के दुष्प्रभावों का जिक्र किया, लेकिन कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया। लेकिन अब एक भारतीय शोध में इस अचानक दिल की धड़कन बंद होने की वजह का पता लगाने का दावा किया गया है। यह तथ्य आईआईटी इंदौर और आईसीएमआर के सहयोग से किए गए नये शोध में सामने आया है। शोध बताता है कि कोविड-19 का डेल्टा वैरिएंट पिछले दिनों की साइलेंट हार्ट अटैक की घटनाओं की वजह बना है। साथ ही कुछ लोगों में थायराइड के अनियंत्रित होने की वजह भी इसी वैरिएंट को बताया गया है। बताया जाता है कि हाल ही में, यह शोध 'जर्नल ऑफ प्रोटिओम रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है। यह खुलासा ऐसे समय में हो रहा है जब कोविड-19 के एक नये वैरिएंट ने एशिया और अमेरिकी देशों में लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। भारत में भी कुछ मौतों के साथ इसके संक्रमण के बढ़ते मामले दर्ज किए जा रहे हैं। दरअसल, आईआईटी इंदौर और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साझे प्रयास से हुए शोध में 3134 मरीजों के जुटाए डेटा का उपयोग करके इसे अंजाम दिया गया। जिसमें कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के दौरान मूल वैरिएंट, अल्फा, बीटा, गामा व डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित रोगियों के शरीर के रसायनों में विभिन्न बदलावों से जुड़े डेटा का विश्लेषण किया गया। इसमें शारीरिक रसायनों में आए बदलाव के साथ ही स्पाइक प्रोटीन के संपर्क में आने वाले फेफड़ों और कोलन सेल का भी विश्लेषण किया गया। हालिया शोध में शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि डेल्टा वैरिएंट ने हार्मोन संतुलन बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभायी।

दरअसल, शोध में पाया गया कि डेल्टा वैरिएंट के चलते मानव शरीर में रासायनिक असंतुलन पैदा हुआ था। फलत: कैटेकोलामाइन और थायराइड हार्मोन पैदा करने की प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न हुआ। जिसकी वजह से कोविड से उबरे लोगों में कालांतर साइलेंट हार्ट अटैक और थायराइड में व्यवधान की स्थितियां पैदा हुई। इसी हालिया अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ कि कोरोना के शिकार हुए लोगों में स्वस्थ होने के बावजूद, उनके शरीर में यूरिया और अमीनो एसिड मेटाबोलिज्म में व्यवधान होने की पुष्टि भी हुई है। दरअसल, अचानक होने वाली मौतों, जिसे आमतौर पर साइलेंट हार्ट अटैक कहा जाता है, में वे लक्षण नहीं दिखाई देते जो सामान्यत: हार्ट अटैक होने पर नजर आते हैं। मसलन बेचैनी, पसीना आना, सीने में दर्द होना और सांस फूलने जैसे लक्षण दिखाई नहीं दिए। इसमें व्यक्ति कटे पेड़ की तरह अचानक नीचे गिर जाता है, जब तक उसके उपचार की कोशिश होती है तब तक पता चलता है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। दरअसल,यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट से भिन्न है, जिसमें दिल की धड़कन बंद होती है। चिकित्सक इस स्थिति से बचाव के लिये नियमित आधे घंटे टहलने, गैर-संक्रामक रोगों मसलन उच्च रक्तचाप व मधुमेह पर नियंत्रण, तली-भुनी चीजों व डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों से परहेज, सिगरेट-शराब से तौबा करने की सलाह दे रहे हैं। साथ ही साइलेंट हार्ट अटैक आने पर उसे तुरंत कार्डियो पल्मोनरी रिसैसिटेशन यानी सीपीआर देने की राय दे रहे हैं। जिसको लेकर समाज में जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है, क्योंकि रोगी की जान बचाने में सहायक साबित हो सकता है।

मूल्यबोध और राष्ट्रहित बने मीडिया का आधार

» प्रो. संजय द्विवेदी

लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष हैं।

सच तो यह है भूमंडलीकरण और उदारीकरण इन दो शब्दों ने भारतीय समाज और मीडिया दोनों को प्रभावित किया है। 1991 के बाद सिर्फ मीडिया ही नहीं पूरा समाज बदला है, उसके मूल्य, सिद्धांत, जीवनशैली में क्रांतिकारी परिवर्तन परिलक्षित हुए हैं।

हिंदी पत्रकारिता दिवस हम 30 मई को मनाते हैं। इसी दिन 1826 को कोलकाता से पं.युगुल किशोर शुक्ल ने हिंदी भाषा के पहले पत्र 'उदंत मार्तण्ड' की शुरुआत की थी। यह संयोग था या सुविचारित योजना कि उस दिन भारतीय तिथि से नारद जयंती भी थी। यानि हिंदी के पहले संपादक ने भी नारद जी अपने पुरखों के रुप में देखा। संपादकीय में उन्होंने हमें पत्रकारिता का उद्देश्य और बीज मंत्र भी यह लिखकर दिया- हिंदुस्तानियों के हित के हेत'। इस नजरिए से मूल्यबोध और राष्ट्रहित हमारी मीडिया का आधार रहा है।

इन 200 सालों की यात्रा में हमने बहुत कुछ अर्जित किया है। आज भी मीडिया की दुनिया में आदर्शों और मूल्यों का विमर्श चरम पर है। विमर्शकारों की दुनिया दो हिस्सों में बंट गयी है। एक वर्ग मीडिया को कोसने में सारी हदें पार कर दे रहा है तो दूसरा वर्ग मानता है जो हो रहा वह बहुत स्वाभाविक है तथा काल-परिस्थिति के अनुसार ही है। उदारीकरण और भूमंडलीकृत दुनिया में भारतीय मीडिया और समाज के पारंपरिक मूल्यों का बहुत महत्त्व नहीं है।

एक समय में मीडिया के मूल्य थे सेवा, संयम और राष्ट्र कल्याण। आज व्यावसायिक सफलता और चर्चा में बने रहना ही सबसे बड़े मूल्य हैं। कभी हमारे आदर्श महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक, विष्णुराव पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और गणेश शंकर विद्यार्थी थे, ताजा स्थितियों में वे रुपर्ट मर्डोक और जुकरबर्ग हों? सिद्धांत भी बदल गए हैं। ऐसे में मीडिया को पारंपरिक चश्मे से देखने वाले लोग हैरत में हैं। इस अंधेरे में भी कुछ लोग मशाल थामे खड़े हैं, जिनके नामों का जिक्र अकसर होता है, किंतु यह नितांत व्यक्तिगत मामला माना जा रहा है। यह मान लिया गया है कि ऐसे लोग अपनी बैचेनियों या वैचारिक आधार के नाते इस तरह से हैं और उनकी मुख्यधारा के मीडिया में जगह सीमित है। तो क्या मीडिया ने अपने नैसर्गिक मूल्यों से भी शीर्षासन कर लिया है, यह बड़ा सवाल है।

सच तो यह है भूमंडलीकरण और उदारीकरण इन दो शब्दों ने भारतीय समाज और मीडिया दोनों को प्रभावित किया है। 1991 के बाद सिर्फ मीडिया ही नहीं पूरा समाज बदला है, उसके मूल्य, सिद्धांत, जीवनशैली में क्रांतिकारी परिवर्तन परिलक्षित हुए हैं। एक ऐसी दुनिया बन गयी है या बना दी गई है जिसके बारे में काफी कुछ कहा जा चुका है। आज भूमंडलीकरण को लागू हुए चार दशक होने जा रहे हैं। उस समय के प्रधानमंत्री श्री पीवी नरसिंह राव और तत्कालीन वित्तमंत्री श्री मनमोहन सिंह ने इसकी शुरुआत की तबसे हर सरकार ने कमोबेश इन्हीं मूल्यों को पोषित किया। एक समय तो ऐसा भी आया जब श्री अटलबिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में जब उदारीकरण का दूसरा दौर शुरू हुआ तो स्वयं नरसिंह राव जी ने टिप्पणी की "हमने तो खिड़कियां खोली थीं, आपने तो दरवाजे भी उखाड़ दिए।" यानी उदारीकरण-भूमंडलीकरण या मुक्त बाजार व्यवस्था को लेकर हमारे समाज में हिचकिचाहटें हर तरफ थी। एक तरफ वामपंथी, समाजवादी, पारंपरिक गांधीवादी इसके विरुद्ध लिख और बोल रहे थे, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अपने भारतीय मजूदर संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच जैसे संगठनों के माध्यम से इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नांकित कर रहा था। यह साधारण नहीं था कि संघ विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी ने वाजपेयी सरकार के वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा को 'अनर्थ मंत्री' कहकर संबोधित किया। खैर ये बातें अब मायने नहीं रखतीं। 1991 से 2025 तक गंगा में बहुत पानी बह चुका है और सरकारें, समाज व मीडिया तीनों 'मुक्त बाजार' के साथ रहना सीख गए हैं। यानी पीछे लौटने का रास्ता बंद है। बावजूद इसके यह बहस अपनी जगह कायम है कि हमारे मीडिया को ज्यादा सरोकारी, ज्यादा जनधर्मी, ज्यादा मानवीय और ज्यादा संवेदनशील कैसे बनाया जाए। व्यवसाय की नैतिकता को किस तरह से सिद्धांतों और आदर्शों के साथ जोड़ा जा सके। यह साधारण नहीं है कि अनेक संगठन आज भी मूल्य आधारित मीडिया की बहस से जुड़े हुए हैं। इस सारे समय में पठनीयता का संकट, सोशल मीडिया का बढ़ता असर, मीडिया के कंटेट में तेजी से आ रहे बदलाव, निजी नैतिकता और व्यावसायिक नैतिकता के सवाल, मोबाइल संस्कृति से उपजी चुनौतियों के बीच मूल्यों की बहस को देखा जाना चाहिए। इस समूचे परिवेश में आदर्श, मूल्य और सिद्धांतों की बातचीत भी बेमानी लगने लगी है। बावजूद इसके एक सुंदर दुनिया का सपना, एक बेहतर दुनिया का सपना देखने वाले लोग हमेशा एक स्वस्थ और सरोकारी मीडिया की बहस के साथ खड़े रहेंगे। संवेदना, मानवीयता और प्रकृति का साथ ही किसी भी संवाद माध्यम को सार्थक बनाता है। संवेदना और सरोकार समाज जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक है, तो मीडिया उससे अछूता कैसे रह सकता है।

सही मायने में यह समय गहरी सांस्कृतिक निरक्षता और संवेदनहीनता का समय है। इसमें सबके बीच मीडिया भी गहरे असमंजस में है। लोक के साथ साहचर्य और समाज में कम होते संवाद ने उसे भ्रमित किया है। चमकती स्क्रीनों, रंगीन अखबारों और स्मार्ट हो चुके मोबाइल उसके मानस और कृतित्व को बदलने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में मूल्यों की बात कई बार नक्कारखाने में तूती की तरह लगती है। किंतु जब मीडिया के विमर्शकार,संचालक यह सोचने बैठेंगे कि मीडिया किसके लिए और क्यों- तब उन्हें इसी समाज के पास आना होगा। रूचि परिष्कार, मत निर्माण की अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित करना होगा। क्योंकि तभी मीडिया की सार्थकता है और तभी उसका मूल्य है । लाख मीडिया क्रांति के बाद भी 'भरोसा' वह शब्द है जो आसानी से अर्जित नहीं होता।

मुद्दा

हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, मिशन बनाना होगा

» ललित गर्ग

भारत में हिन्दी पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज़ उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, दरअसल दो शताब्दी पूर्व ब्रिटिशकालीन भारत में जब तत्कालीन हिन्दुस्तान में दूर दूर तक मात्र अंग्रेजी, फ़ारसी, उर्दू एवं बांग्ला भाषा में अखबार छपते थे, तब देश की राजधानी "कलकत्ता" से हिन्दी भाषा में 'उदन्त मार्तण्ड' के नाम से पहला हिन्दी समाचार पत्र वर्ष 1826 को छपा था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इसे साप्ताहिक के तौर पर शुरू किया था। इसके प्रकाशक और संपादक भी वे खुद थे। भले ही अब यह समाचार पत्र बंद हो गया है, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है।

उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिंदी के अनेक दैनिक समाचार पत्र निकले जिनमें हिन्दुस्तान, भारतोदय, भारतमित्र, भारत जीवन, अभ्युदय, विश्वमित्र, आज, प्रताप, विजय, वीर अर्जुन आदि प्रमुख हैं। बीसवीं शताब्दी के चौथे-पांचवें दशकों में अमर उजाला, आर्यावर्त, नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत आदि प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र सामने आए। लोकतंत्र में मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में खड़ा है, पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम देश की वर्तमान स्थिति से अवगत रहते हैं। पत्रकार अथक परिश्रम करते हैं, ताकि समाचार हमारे घर तक तुरंत पहुंचे। चाहे अखबारों के जरिए हो, टीवी चैनलों के जरिए हो या सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के जरिए, नित-नये बनते एवं बदलते समाज में पत्रकारिता की शक्ति को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और सूचित संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हिन्दी पत्रकारिता में क्रांतिकारिता का रंग गणेश शंकर विद्यार्थी ने भरा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से 9 नवंबर 1913 को 16 पृष्ठ का 'प्रताप' समाचार पत्र शुरू किया था। यह काम शिव नारायण मिश्र, गणेश शंकर विद्यार्थी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और कोरोनेशन प्रेस के मालिक यशोदा नंदन ने मिलकर किया था। शिव नारायण मिश्र और गणेश शंकर विद्यार्थी ने 'प्रताप' को अपनी कर्मभूमि बना लिया। विद्यार्थीजी के समाचार पत्र प्रताप से क्रांतिकारियों को काफी बल मिला। मुंशी प्रेमचंद महान् लेखक-कहानीकार होने के साथ-साथ हिन्दी के क्रांतिकारी एवं जुझारू पत्रकार थे, उनकी पत्रकारिता भी क्रांतिकारी थी, लेकिन उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया गया है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। वे समाज की कुरीतियों एवं आडम्बरों पर प्रहार करते थे तो नैतिक मूल्यों की वकालत भी करते थे। मेरा सौभाग्य है कि मैं राजस्थान के यशस्वी पत्रकार स्व. श्रीरामस्वरूप गर्ग के पुत्र होने के नाते विरासत में पत्रकारिता के मूल्यों को आत्मसात करने का मौका मिला। उन्होंने 1936 एवं उसके बाद के दौर में 'राष्ट्रवाणी' एवं 'परिवर्तन' जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन एवं सम्पादन किया। वे राजस्थान के प्रतिष्ठित दैनिक नवज्योति के साप्ताहिक रूप में निकले प्रारंभिक अंकों के सम्पादक रहे। इसका प्रारंभ पण्डित जवाहरलाल नेहरू के निजी सचिव रहे श्री रामनारायण चौधरी ने किया था।

पर्सनालिटी

साहसी महिला शासक थी अहिल्यादेवी होलकर

18वीं शताब्दी में, मालवा की महारानी के रूप में, धर्म का संदेश फैलाने में, नयी शासन-व्यवस्था स्थापित करने और औद्योगीकरण के प्रचार-प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। अतीत से आज तक वे व्यापक रूप से अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और प्रशासनिक कौशल के लिए जानी जाती हैं।

» ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति के उज्ज्वल इतिहास के सुवर्ण पृष्ठों पर अनेक शील, शौर्य, शक्ति एवं पराक्रम संपन्न नारियों के नाम अंकित हुए हैं। शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं। ऐसी ही श्रृंखला में एक नाम है राजमाता अहिल्याबाई होलकर का, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये। जन कल्याण एवं सेवा के क्षेत्र में भी उन्होंने अनेक कार्य किए। भारत ऐसी ही आदर्श नारी चरित्रों की गौरव-गाथा से विश्व गुरु कहलाता था। इस वर्ष 31 मई, 2025 को उनकी जन्म जयन्ती का त्रिशताब्दी दिवस है।

कभी-कभी वास्तविक जीवन की घटनाएं कहानियों से भी अधिक अद्भुत, साहसी, रोमांचकारी एवं विलक्षण होती है। सच यह भी है कि कभी-कभी जिन्दगी की किताब के किरदार कहानियों, फिल्मों एवं उपन्यासों के किरदारों से भी कहीं अधिक सशक्त और अविस्मरणीय होते हैं। लौह महिला महारानी अहिल्याबाई होल्कर का व्यक्तित्व व कृतित्व भी ऐसा ही है, जो उन्हें विश्व की श्रेष्ठतम महिलाओं की पंक्ति में अग्रणी बनाता है, जिनका भारत के इतिहास और जनमानस पर विशेष प्रभाव रहा है। वे भारतीय इतिहास की एक विलक्षण, साहसी, दूरदर्शी, दार्शनिक एवं पराक्रमी नायिका है। राजमाता अहिल्याबाई होलकर, मालवा साम्राज्य की होलकर रानी थीं। उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी एवं साहसी महिला शासकों में से एक माना जाता है। 18वीं शताब्दी में, मालवा की महारानी के रूप में, धर्म का संदेश फैलाने में, नयी शासन-व्यवस्था स्थापित करने और औद्योगीकरण के प्रचार-प्रसार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा था। अतीत से आज तक वे व्यापक रूप से अपनी बुद्धिमत्ता, साहस और प्रशासनिक कौशल के लिए जानी जाती हैं।

31 मई 1725 को जामखेड, अहमदनगर (महाराष्ट्र) के चोंडी गाँव में जन्मी अहिल्या, एक साधारण परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी राव शिंदे, ग्राम प्रधान थे, जिन्होंने उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया था। एक युवा लड़की के रूप में, उनकी सादगी और सुचरित्र के संयोजन ने, मालवा क्षेत्र के राजा मल्हार राव होलकर का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया। वे युवा अहिल्या से इतने प्रभावित थे कि 1733 में जब वे मुश्किल से आठ साल की भी नहीं हुई थीं, तब उन्होंने उनका विवाह अपने बेटे खंडेराव होलकर से करवा दिया। उनकी शादी के बारह साल बाद, कुम्हेर किले की घेराबंदी के दौरान, उनके पति खंडेराव की मृत्यु हो गई। अहिल्याबाई इतनी आहत हुईं कि उन्होंने सती होने का फ़ैसला कर लिया। लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें इतना कठोर कदम उठाने से रोक लिया और अहिल्या को अपनी छत्र-छाया में लेकर, उन्हें सैन्य, राजनीतिक और प्रशासनिक मामलों में प्रशिक्षित किया। राज-काज की बारीकियां समझाई।

'तमसो मा ज्योतिर्गमय'- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। राजमाता अहिल्याबाई होलकर का जीवन अनेक संकटों एवं संघर्षों का साक्षी बना। एक के बाद एक पहाड जैसे दुःख, आघात उन्हें झेलने पड़े। 1766 में अहिल्या के ससुर मल्हार राव का भी निधन हो गया। उसके अगले ही वर्ष, उन्होंने अपने बेटे माले राव को भी खो दिया। बेटे को खोने का दुःख उन्होंने अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।

राज्य और अपनी प्रजा के कल्याण को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पेशवा से, मालवा के शासन को संभालने की अनुमति मांगी। हालांकि, कुछ अभिजातों ने इसका विरोध किया, लेकिन उन्हें सेना का समर्थन प्राप्त था। सेना को उन पर पूरी श्रद्धा और विश्वास था, क्योंकि वह सैन्य और प्रशासनिक मामलों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित थीं। उन्होंने कई मौकों पर सेना का नेतृत्व किया था और एक सच्चे योद्धा की तरह लड़ाई लड़ी थी। 1767 में, पेशवा ने अहिल्याबाई को मालवा पर अधिकार करने की अनुमति दे दी। 11 दिसंबर 1767 को वे गद्दी पर बैठीं और इंदौर की शासक बनीं। अगले 28 वर्षों तक महारानी अहिल्याबाई ने न्यायोचित, बुद्धिमत्तापूर्ण और ज्ञानपूर्वक तरीके से मालवा पर शासन किया। अहिल्याबाई के शासन के तहत, मालवा में शांति, समृद्धि, खुशहाली और स्थिरता बनी रही।

आज का इतिहास

31 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1774 - भारत में पहला डाक सेवा कार्यालय खोला गया।
1867 - बंबई में प्रार्थना समाज की स्थापना हुई।
1921 - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के झंडे को अंगीकार किया गया।
1959 - बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा को तिब्बत से निर्वासन के बाद भारत में शरण दी गई।
1964 - बंबई में इलेक्ट्रिक ट्राम अंतिम बार चली।
1994 - दक्षिण अफ़्रीका गूट निरपेक्ष आन्दोलन का 109वाँ सदस्य राष्ट्र बना।
1996 - बेंजामिन नेतान्याहू इस्त्रायल के नये प्रधानमंत्री चुने बने।
1999 - एडोल्फ़ ट्युटर स्लोवाक गणराज्य के राष्ट्रपति निर्वाचित, कृष्ण प्रसाद भट्टराई द्वारा नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण।
2007 - सैप ब्लेटर तीसरी बार अंतर्राष्ट्रीय फ़ुटबाल संघ के अध्यक्ष बने।
2008 - सरकारी तेल कम्पनियों ने जहाज़ों के ईधन (एटीफ) की क़ीमत में 18.5% की बढ़ोत्तरी की।
औपचारिक दस्तावेज के अभाव में पाकिस्तान के पूर्व मंत्री अंसार बर्नी नई दिल्ली हवाई अड्डे से पाकिस्तान वापस हुए।

31 मई को जन्मे व्यक्ति

1577 - नूरजहाँ - मुग़ल सम्राट जहाँगीर की पत्नी, जिसका मूल नाम 'मेहरुन्निसा' था।
1756 - एब्बे फारिया - दुनिया का पहला व्यक्ति, जिसने सम्मोहन की कला को एक वैज्ञानिक आधार प्रदान किया।
1725 - अहिल्याबाई होल्कर - भारत की वीरांगनाओं में से एक।
1843 - अण्णा साहेब किर्लोस्कर - मराठी रंगमंच में क्रांति लाने वाले प्रसिद्ध नाटककार।
1964 - राजीव चंद्रशेखर - भारतीय जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं।
1942 - विनोद मेहता- आउटलुक के संस्थापक एवं प्रसिद्ध पत्रकार।
1927 - वनराज भाटिया - भारतीय फ़िल्मों के प्रसिद्ध संगीत निर्देशक रहे हैं।
1925 - राज खोसला - हिंदी फ़िल्मों में शीर्ष निर्देशक, निर्माणकर्ता और पटकथाकारों में से एक थे।
1899 - लाला जगत नारायन - प्रसिद्ध पत्रकार तथा हिन्द समाचार समूह के संस्थापक थे।

31 मई को हुए निधन

2022 - के. के. (गायक) - प्रसिद्ध भारतीय पार्श्वगायक थे।
2001 - जगन्नाथ कौशल - भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के राजनेता थे।
1988- संतराम बी. ए.- समाज सुधारक ।
1988 - द्वारका प्रसाद मिश्रा - भारत के प्रसिद्ध राजनेता, स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, साहित्यकार तथा मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री।
1987 - निर्देशक जॉन अब्राहम - लघु कथा लेखक, मलयाली भारतीय फ़िल्म निर्माता

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भाकियू शंकर के प्रतिनिधिमंडल ने गन्ना आयुक्त से की मुलाकात

किसान समस्याओं को लेकर 10 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा

» सब का सपना

अमरोहा: भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को लखनऊ में गन्ना आयुक्त प्रमोद कुमार उपाध्याय से मुलाकात की। इस दौरान गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर गन्ना आयुक्त को एक 10 सूत्रीय मांग पत्र भी सौंपा गया जिसमें सभी समस्याओं के निस्तारण की मांग की गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने बताया कि गन्ना किसानों की समस्याओं को लेकर गन्ना आयुक्तसे विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है, गन्ना आयुक्त ने भी सभी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए उनके जल्द समाधान करने की बात कही है, उन्होंने मौके पर ही सभी जनपदों के जिला गन्ना अधिकारियों को फोन कर निर्देशित किया कि गन्ना किसानों की समस्याओं को सुनकर उन्हें प्रमुखता से हल किया जाना चाहिए। उन्होनें कहा कि वर्ष 2025-26 पेराई सत्र के लिएं चीनी मिलों के संचालन से पहले ही 500 रुपये प्रति क्विंटल गन्ना मूल्य घोषित किया जाना चाहिये, बीते 8 पेराई सत्रों में मात्र 55 रुपये की वृद्धि की गई है, इससे गन्ना किसानों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। वर्ष 2012 से बंद पड़ी चीनी मिलों को किसान हित में दोबारा से चालू किया जाए, प्रदेश की सभी चीनी मिलों द्वारा गन्ना किसानों को खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिये प्रेसमड(मैली) को निःशुल्क उपलब्ध कराई जानी चाहिए। गन्ना किसानों से घोषणा पत्र भरवाने की बाध्यता को भी समाप्त किया जाना चाहिए, इस कार्य को बार बार करने से करीब 55 करोड़ रुपयों की बर्बादी होती है, जिसे बंद कराया जाना चाहिए। गन्ना किसानों की सुविधाओं को देखते हुए नए गन्ना

क्रय केंद्रों की स्थापना कराई जाए, प्रदेश सरकार के एजेंडे में किसान हित सर्वोपरि है तो गन्ना विभाग को भी इस पर गंभीर चिंतन-मनन करना चाहिए।

प्रदेश की प्रत्येक गन्ना सहकारी समिति व गन्ना संस्थान लखनऊ में किसानों के ठहरने हेतु भवन निर्माण किया जाना चाहिये। इसके साथ ही अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान 15% ब्याज़ सहित कराया जाए, गन्ना संरक्षण की बैठक प्रत्येक मंडल स्तर पर आयोजित की जानी चाहिए। महिला स्वयं सहायता समूह योजना से प्रदेश की गन्ना विकास परिषद का सैकड़ों करोड़ रुपया जोकि सड़क-पुलिया व तालाबों की दीवार आदि के नाम पर खर्च कराया जाता है, इसका धन का भी बड़े स्तर पर बंदरबांट किया जा रहा है, लेकिन उक्त योजना में धरातल पर कहीं कुछ नहीं दिखाई देता है। इस मामले की भी निष्पक्ष जांच कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जानी चाहिए।

जनपद में अपात्र लोगों के काटे जाएंगे राशन कार्ड, डीएम ने दिए निर्देश

» सब का सपना

अमरोहा: जनपद की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने अपात्र लोगों के राशन कार्ड काटने के निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा है कि अभियान चलाकर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में अपात्र लोगों के राशन कार्ड काटे जाएं। जिसको लेकर जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए हैं। इसी के साथ जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी ने बताया है कि सितंबर 2024 मई से 2025 तक 15 राशन की दुकानें निरस्त की हैं। इसी के साथ अनियमिता पर दो कोटेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

साथ ही राशन में कालाबाजारी करने वाले अन्य 3 व्यक्तियों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। जिसमे की कुल पांच लोगों के खिलाफ अनियमिता मिलने और कालाबाजारी करने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने बताया है कि उन्होंने 12 राशन की दुकानों को निलंबित कर दिया गया है। और दुकानों में अनियमिता पाए जाने पर 15 दुकानों को नोटिस जारी किया गया है। और इसी के साथ अगस्त से अप्रैल तक 1 लाख 5 हजार रुपए कोटेदारों पर भारी जुर्माना भी लगाया है। उन्होंने बताया है कि जिलाधिकारी के निर्देश पर इनकम टैक्स, भूमि ज्यादा होने पर, विधवा पेंशन, निराश्रित मृतक अन्य लोगों के 2 हज़ार 9 सौ राशन कार्ड काटे गए हैं। उन्होंने बताया है या दो हेक्टेयर से अधिक जमीन वाले अपात्र व्यक्ति 445 कुल 4345 कार्ड निरस्त किए गए हैं। उन्होंने बताया है कि अप्रैल में 2025 में माह राशन कार्ड सत्यापन का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत 313 कार्ड अपात्र जांच में पाए गए हैं। जिसको निरस्त किया गया है। हालांकि अभियान आगे भी जारी है इसी के साथ उन्होंने बताया है कि अभियान के दौरान जो भी व्यक्ति पात्र मिल रहे है उन व्यक्तियों के आपत्रों की जगह राशन कार्ड बनवाए जाएंगे।

अहिल्याबाई न्याय प्रिय शासक थीः वीरेंद्र सिंह सैनी

» सब का सपना

नौगांवा सादातः नगर पंचायत के बीवी ज़हरा मैरिज हॉल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत नौगांवा सादात नगर पंचायत के बीवी ज़हरा मैरिज हॉल में नौगांवा सादात मंडल का एक सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें अहिल्याबाई के दिखाएं मार्ग का अनुसरण करने का अनुरोध किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अमित शर्मा ने की। सम्मेलन के मुख्य अतिथि दानिश मलिक ने अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री कृष्ण बहादुर ने किया।

भाजपा के पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी ने वक्ता के रूप में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के बारे में विस्तार पूर्वक बताया कि अहिल्याबाई एक न्याय प्रिय शासक थी उनके राज में प्रजा पूरी तरह से सुखी थी। वह एक शासक के साथ-साथ धार्मिक विचारों वाली महिला थी। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेको प्रयास किये। जिससे लोग उन्हें देवी कहने लगे थे। आगे सैनी ने बताया कि अहिल्याबाई ने अनेकों धार्मिक मंदिर बनवाए थे।

इस अवसर पर नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सलील भारद्वाज, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला मंत्री राशिद मलिक, वीरेंद्र सैनी, हाजी शहाबुद्दीन अंसारी, नसीम अंसारी, इकराम सैफी, महेश कुमार वाल्मीकि, शमीम अहमद सैफी, शर्मिष्ठा चौहान, पूर्व प्रधान भूपेंद्र चौहान, धर्मवीर गिहार, पवन कुमार जाटव, पीतम सैनी, सुमित चौहान, सुभाष त्यागी, सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा करे आवेदन

» सब का सपना

अमरोहाः महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु 5 वर्ष से 18 वर्ष तक के ऐसे बालक बालिका जिन्होंने बहादुरी के विभिन्न क्षेत्र जैसे खेल सामाजिक क्षेत्र विज्ञान एवं तकनीकी पर्यावरण कला एवं सांस्कृतिक के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर समाज में रोल मॉडल के रूप में कार्य किया हो ऐसे बालक बालिकाओं को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

पुरस्कार हेतु ऑनलाइन पोर्टल पर https://awards.gov.in पर दिनांक 31/07/ 2025 तक संबंधित क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित बालक बालिका अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं एवं अधिक जानकारी के लिए कार्यालय जिला प्रमोशन अधिकारी अमरोहा विकास भवन कक्ष संख्या 04 जोया रोड अमरोहा में संपर्क कर सकते हैं।

बालश्रम/ बाल भिक्षावृत्ति रोकने के लिए चलाया गया जागरूकता अभियान

» सब का सपना

अमरोहा : शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर/ नोडल अधिकारी AHTU के कुशल निर्देशन एवं व क्षेत्राधिकारी अपराध के प्रवेक्षण व मार्गदर्शन में थाना AHTU जनपद अमरोहा से प्र0 नि0 राजेंद्र कुमार हे0का0 अंशु कुमार व म0का0 1043 अनुराधा व बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अतुलेश कुमार भारद्वाज की संयुक्त टीम द्वारा महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन का अभियान चलाया गया। बालको एवं किशोर श्रमिकों के अखिल भारतीय स्तर पर बचाव पुनर्वास अभियान, छोटे बड़े प्रतिष्ठान,कारखाने, उद्योगों, दुकान, खदानों , ईट भट्टो, निर्माण स्थलों आदि क्षेत्र के निर्माण में बालश्रम/भिक्षावृत्ति , एक युद्ध नशे के विरुद्ध, बचपन बचाओ अभियान के

अंतर्गत थाना हसनपुर क्षेत्र जनपद अमरोहा में बालश्रम/ बाल भिक्षावृत्ति जागरूकता अभियान चलाया गया । किसी भी दशा में 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों को काम पर न रखा जाए ऐसा करना दंडनीय अपराध है, आम जनमानस को इस संबंध में जागरूक किया गया तथा इमरजेंसी सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1090,1098,108,112,1076,181 आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

गरीबों की हमदर्द बनी जिलाधिकारी निधि गुप्ता, गरीबों को दिलाया रोजगार

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स

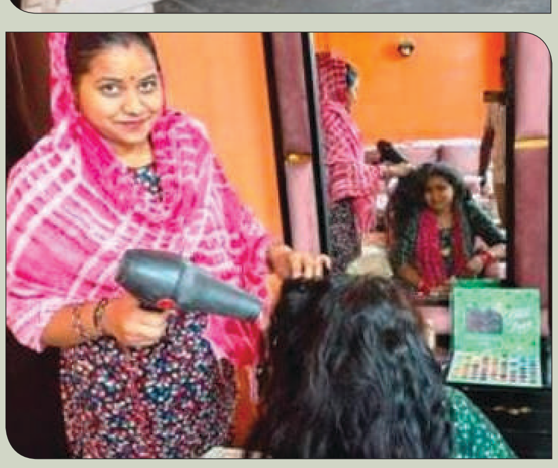

» सब का सपना

अमरोहाः जनपद में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स गरीबों लोगों की हमदर्द बनकर उन्हें सरकार की हर योजना का लाभ दिलाने का काम कर रहे हैं। इस दौरान जिलाधिकारी निधि गुप्ता के निर्देश पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत गरीब लोगों को कई नए उद्योगों से जोड़ा गया। इसके बाद जिलाधिकारी निधि गुप्ता के कड़े प्रयासों से गरीब लोग दो वक्त की रोटी कमा रहे हैं।

वही जनपद अमरोहा में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत जिले की ग्राम पंचायत टिकिया के रहने वाले तहजीबूल हसन ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 5 लाख रुपए सर्फ मैन्युफैक्चरिंग के लिए ऋण प्राप्त किया था। जिसमें वह सर्फ मैन्युफैक्चरिंग सुचारू रूप से संचालित कर रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने दो लोगों को रोजगार भी दिया है। इसी के साथ उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और साथ ही जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

इसी के साथ ग्राम भानपुर के निवासी सतपाल सिंह ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 1 लाख 50 हजार रुपए का जुड़े लेकर ई रिक्शा लिया। क्योंकि अपनी इकाई का सुचारू रूप से संचालन कर रहे हैं।

वही ग्राम रहरा की निवासी मानसी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 5 लाख रूपए का ब्यूटी पार्लर का संचालन करने के लिए लिया था। जिनका ब्यूटी पार्लर का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

इसी के साथ ग्राम पंचायत शेखुपुरा के निवासी अनिल कुमार ने 5 लाख रूपए का ऋण जनसेवा केंद्र संचालित करने के लिए है।

ग्राम अल्लीपुर खादर के निवासी राजकुमारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान के अंतर्गत 5 लाख रूपए आटा चक्की लगाने के लिए ऋण प्राप्त किया। और इसी के साथ उन्होंने इस रोजगार से चार लोगों को भी रोजगार देने का काम किया है।

ग्राम शेखुपुरा निवासी विजेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान के अंतर्गत 5 लाख रुपए पैथोलॉजी लैब का संचालन करने के लिए ऋण लिया। इसी के साथ में है अपने इस व्यवसाय को रोजाना सुचारू रूप से चला रहे हैं। और पैथोलॉजी लैब द्वारा चार लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

वहीं ग्राम गनौरा के निवासी अजय कुमार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 5 लाख रुपए घानी ऑयल मिल लगाने के लिए ऋण प्राप्त किया। जिनके द्वारा दो लोगों को रोजगार भी देने का काम किया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत लाभ लेने वाले लाभार्थियों ने जिला अधिकारी निधि गुप्ता का ही नहीं बल्कि उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि सरकार द्वारा उन्हें 5 लाख से 10 लाख रुपए तक का ऋण लेकर अपने व्यापार की बढ़ाने का काम किया। इस व्यापार से बेरोजगारों को भी रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी के साथ उन्होंने सभी गरीब लोगों से संदेश दिया है कि सभी लोग सरकार की योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ लें।

ज़िले में गौण वन उपज की लाटें नीलाम करने की होगी कार्यवाही

» सब का सपना

अमरोहाः जनपद के एस०पी०सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी वन प्रभाग, ने जानकारी देते हुए कहा कि अमरोहा वन प्रभाग अमरोहा की हसनपुर रेंज में दिनांक 28-05-2025 को गौण वन उपज की लाटें नीलाम करने की कार्यवाही की गयी।

जिसमें लाट संख्या-01 हैदरपुर वन ब्लाक गोपनीय अनुमान से कम बोली आने पर स्थगित की गयी। लाट संख्या-02 देहरी गुजर वन ब्लाक गोपनीय अनुमान से अधिक बोली आने पर नीलाम हो चुकी है।

लाट संख्या-03 सिंहाली जांगीर वन ब्लाक गोपनीय अनुमान से अधिक बोली आने पर नीलाम हो चुकी है। इस प्रकार उक्त तीन लाटों

में से 02 लाटे नीलाम हो चुकी है। परन्तु लाट संख्या-01 हैदरपुर वन ब्लाक गोपनीय अनुमान से कम बोली आने पर नीलाम नही हो सकी है।

इसलिए हैदरपुर यन ब्लाक की लाट संख्या-01 को पुनः नीलाम करने हेतु दिनांक 06-06-2025 नियत की जाती है। नीलाम तिथि का अनुमोदन करने की कृपा करें।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

» सब का सपना

अमरोहाः जनपद में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जनपद स्तर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, राकेश सिंह के दिशा निर्देशानुसार आज दिनांक 30.05.2025को ब्लॉक-जोया, ग्राम-मानक जुड़ी , जनपद अमरोहा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

साथ ही बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजनाएं जैसे- मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना(सामान्य), मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन, एवं उनसे

मिलने वाली सुविधाओं के बारे में व हेल्पलाइन नंबर्स 181, 1090, के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी।

नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत अहिल्याबाई होलकर को किया याद

कार्यक्रम की अध्यक्षता विधान परिषद सदस्य चौधरी विरेन्द्र सिंह की गई, कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख डा विनोद मलिक रहे

» सब का सपना

कांधला/शामली: शुक्रवार को विकास खण्ड परिसर कांधला मे अहिल्याबाई होलकर की 300 वे जन्म दिवस के अवसर पर नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे पंचायत सदस्य नीरज सैनी ने अहिल्याबाई होलकर बारे मे बताया कि अहिल्याबाई होलकर भारतवर्ष के आसमान में चमकता वह सितारा है जिनके कार्यों को लोग युगों युगों तक याद रखेंगे। उनके भारतवर्ष को दिए गए योगदान को लोग कभी भी भूल नहीं पाएंगे।

अहिल्याबाई होलकर ने समाज हित और देश हित को सर्वोपरि रखा। महारानी अहिल्याबाई होलकर भारत के मालवा साम्राज्य की मराठा होलकर महारानी थी। अहिल्याबाई होलकर एक ऐसा नाम है जिसने अपने बलबूते पर भारतीय परंपरा तथा संस्कार की रक्षा हेतु तथा धर्म, समाज और राष्ट्रहित के लिए कुछ ऐसे कार्य किये कि उनका नाम इतिहास के पन्नों में अमर हो गया। महारानी अहिल्याबाई शिव भगवान की परम भक्त थी और उनकी अनन्य भक्ति की झलकियाँ उनके जीवन में समय-समय पर दिखती रही है।

ब्लाक प्रमुख डाक्टर विनोद मलिक ने सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओ से महिला उत्थान तक की जानकारी दी। जनपद मे महिलाओ के समुह गठन व लाभ लेने के लिए प्रेरित किया व बताया कि समाज सुधारक अहिल्याबाई के सर्वांगीण विकास में उनके ससुर मल्हार राव होलकर का बहुत बड़ा हाथ था। जीवन के हर सुख -दुःख तथा संकट में मल्हार राव होलकर ने अहिल्या का साथ दिया था।

अहिल्या को साहसी तथा निरंतर अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा उनके ससुर मल्हार राव से ही मिलती थी। अहिल्याबाई के ससुर मल्हार राव ने इनकी इच्छा का सम्मान करते हुए इन्हें शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार दिया। भारतवर्ष में उस समय सती प्रथा प्रचलित थी , महिलाएँ अपनी पति की मृत्यु के बाद अपने पति के शव के साथ ज़िंदा ही आग में जल जाया करती थीं, परन्तु अहिल्या के पति खंडेराव की मृत्यु के बाद मल्हारराव ने अहिल्या को सती नहीं होने दिया था। उनके इस निर्णय के कारण मल्हारराव का उस समय बहुत विरोध भी हुआ था।

अहिल्या भी मल्हारराव के मार्गदर्शन में राज्य तथा समाज के हित के लिए निरंतर कार्य करती रहीं। मुख्य अतिथि चौ वीरेन्द्र सिंह ने महिलाओ को सरकारी योजनाओ से जुडकर योजनाओ का लाभ उठाने, अपनी आजीविका के सुदृढ़ीकरण के प्रयासो की सराहना की।

महिलाओ को प्रशस्ति देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संयोजक संजीव कुमार, ग्राम प्रधान रणवीर, हरेन्द्र, उमरनवाज, व विकास खण्ड स्तरीय अधिकारीगण, सीमा, गीता आदि मौजूद रहे।

आने वाले कल और बेहतर भविष्य के लिए जल संरक्षण जरूरीः मुख्य विकास अधिकारी

» सब का सपना

अमरोहा: जनपद के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में विकास भवन संभागार में जल संरक्षण अभियान के तहत "कैच द रेन" से सम्बंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस अवसर पर जल संरक्षण किस प्रकार किया जाए पानी की बर्बादी को किस प्रकार रोका जाए ताकि आने वाला कल बेहतर हो सके ताकि पर्यावरण संरक्षण शुद्ध जल जीवन जीने के लिए मिल सके। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने कहा कि जल संरक्षण आने वाले कल के लिए और जीवन बचाने के लिए बहुत जरूरी है । कहा की महिलाएं भी घर के कामकाज में बहुत मात्रा में जल की बर्बादी करती है इसको रोकें और आसपास की महिलाओं को भी इसके लिए समझाएं प्रेरित करें । सहायता समूह की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी महिलाएं अपने ग्रामों में बैठक करें और जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करें कहा कि यदि जल की बर्बादी को नहीं रोका गया और ध्यान नहीं दिया गया तो जीवन अस्त व्यस्त हो जाएगा । क्योंकि जल के बिना कुछ भी नहीं है । कहा जल संरक्षण से वाटर लेबल मेंटेन होगा और शुद्ध जल मिलेगा और पेड़ पौधों का भी संरक्षण हो सकेगा । कहा कि जितनी मात्रा में पानी की जरूरत हो उतना ही पानी का प्रयोग करें जल का दोहन न करें फालतू जल न बहाएं । कहा जो ज्यादा पानी बर्बाद कर रहे हैं कहने के बावूजद भी समझ नहीं रहे हैं समूह की महिलाएं उनको जल शत्रु के रूप में चिन्हित करें पंचायत घर मे उनकी सूची चस्पा की जाएगी। इस अवसर पर AE लघु सिंचाई ने भी जल संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप AE लघु सिंचाई सहित अन्य संबंधित अधिकारी और बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मौजूद रही।

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान अंतर्गत महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

» सब का सपना

अमरोहा: नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के एक मैरिज हॉल मे मे पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान अंतर्गत महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे सूर्य प्रकाश पाल, मा. उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश सरकार एवम सत्यपाल सैनी प्रदेश उपाध्यक्ष, विधानसभा परिषद सदस्य भारतीय जनता पार्टी द्वारा माता अहिल्याबाई होल्कर के गौरवशाली इतिहास के बारे मे बताया गया की यह वर्ष रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती वर्ष हैं। उनका जन्म 31 मई 1725 मे महाराष्ट्र के चौड़ी गाँव मे हुआ था। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा. नरेन्द्र मोदी जी ने काशी विश्वनाथ कारिडोर मे इनकी प्रतिमा स्थापित करते हुए बताया की पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर काशी विश्वनाथ से लेकर सोमनाथ तक अनेको मंदिरो का जीर्णोद्धार कराया। प्राचीनता और आधुनिकता का संगम जो उनके जीवन मे था, आज देश उसे आदर्श मानकर आगे बढ़ रहा हैं। पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर जी की 300वीं जयंती के अवसर पर प्रदेश के समस्त नगरो मे इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम मे आज नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा आयोजित समारोह मे शशि जैन चेयरपर्सन नगर अमरोहा कार्यक्रम संयोजक प्रेम सिंह सैनी नि वर्तमान नगर अध्यक्ष बीजेपी रामसिंह सैनी बृजेश चौधरी बृजेश चौधरी, गिरीश त्यागी ऋषिपाल नगर, युद्धवीर चौधरी ब्लॉक प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों , एडीएम बृजेश त्रिपाठी नगर पालिका ई ओ बृजेश कुमार जिला महामंत्री पुरन सिंह सैनी, राकेश वर्मा सीमा रायजादा विनीत सैनी,केलाश त्यागी,आदि बहुत से कार्यकर्ता मौजूद रहे।

10 जून तक किया जाएगा निशुल्क खाद्यान्न वितरण

» सब का सपना

संभल: आयुक्त खाद्य तथा रसद विभाग उ0प्र0 जवाहर भवन लखनऊ के कार्यालय पत्रांक 2416 के द्वारा अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत माह जून 2025 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण दस जून तक वितरण तिथि निर्धारित की गयी है, जिसमें तीस मई से खाद्यान्न का वितरण शुरू हो गया है। इस दौरान निर्धारित वितरण तिथियों में अन्त्योदय कार्ड पर प्रति कार्ड 14 किग्रा0 गेहूँ एवं 21 किग्रा0 फोर्टिफाइड चावल (कुल 35 किग्रा0) तथा पात्र गृहस्थी कार्डो से सम्बद्ध प्रत्येक राशन कार्डधारकों/ लाभार्थियों को 2 किग्रा गेहूँ एवं 3 किग्रा फोर्टिफाइड चावल प्रति यूनिट खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण नियमानुसार कराया जा रहा है। खाद्यान्न के निःशुल्क वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी, जिसमें कोई भी उपभोक्ता किसी भी दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर सकता है। वही आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोवाईल ओ.टी.पी. वेरीफिकेशन के माध्यम से निःशुल्क खाद्यान्न वितरण सम्पन्न किया जायेगा। इसके अतिरिक्त जनपद सम्भल के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को ज्ञात रहे कि जिन लाभार्थियों द्वारा अपनी ई-केवाईसी नहीं करायी गयी है।

पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल द्वारा शुक्रवार की परेड की सलामी लेकर किया परेड का निरीक्षण दिये गये दिशा निर्देश

» सब का सपना

बहजोई/संभल: पुलिस अधीक्षक जनपद कृष्ण कुमार द्वारा पुलिस लाइन बहजोई में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड के दौरान पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउण्ड पर परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया । परेड के निरीक्षण के उपरान्त जवानों को शारिरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ्य रहने के लिए दौड़ लगवायी गयी तत्पश्चात परेड में शामिल जवानों में एकरूपता व अनुशासन बनायें रखने के लिए ड्रिल करायी गयी ।

साप्ताहिक परेड के दौरान पुलिस लाइन स्थित बैरक, पी0आर0वी0 112 वाहनों, पुलिस लाइन परिसर, कैंटिन, डायल 112 कार्यालय, स्टोर रुम, भोजनालय आदि का निरीक्षण किया गया तथा साफ सफाई आदि को चेक किया गया तथा उपकरणों के रख रखाव, स्वच्छता के सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। निरीक्षण के उपरान्त पुलिस अधीक्षक द्वारा अर्दली रूम में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यतन रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद सम्भल में आने वाले रिक्रूट आरक्षियों की ट्रेनिंग हेतु प्रस्तावित आर0टी0सी0 स्थल ईश्वर दास टैक्निकल इन्स्टीट्यूट कस्बा बहजोई का निरीक्षण किया गया व चल रहे कार्यों की समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।

जिलाधिकारी ने किया ई .वी .एम वी . वी . पैट वेयरहाऊस व पीएम श्री विद्यालय का निरीक्षण

» सब का सपना

वहजोई/संभल: जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया द्वारा सम्भल के शहजादी सराय स्थित ई.वी.एम वी. वी . पैट वेयरहाऊस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाऊस की साफ़ सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था तथा सीसीटीवी कैमरे एवं लॉग बुक आदि सभी व्यवस्थाओं को चेक किया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण करते समय खिडकी दरवाजों को लेकर चकबंदी एसओसी को निर्देशित करते हुए कहा की यथाशीघ्र जाली एवं खिडकियों को ठीक कराया जाए। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के विषय में जानकारी प्राप्त की एवं साफ सफाई को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वेयर हाउस की छत का अवलोकन करते हुये संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा विकासखंड पवांसा के पीएम श्री विद्यालय धुरैटा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्कूल के निर्माण कार्य को देखा एवं शौचालय की टाइल्स की गुणवत्ता खराब होने को लेकर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने पीएम श्री विद्यालय के शेड का भी निरीक्षण किया। जिसको लेकर जिलाधिकारी ने जिला पंचायतीराज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि शेड के आस-पास आवश्यकता अनुसार मिट्टी डलवाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को निर्देशित करते हुए कहा कि स्कूल के पौधो की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगवाना सुनिश्चित करें। इस दौरान पर उप जिलाधिकारी सम्भल वंदना मिश्रा,एस.ओ. सी. चकबंदी मातवर सिंह,अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सम्भल डॉ मणिभूषण तिवारी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान मे जानी कृषि तकनीक

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान राजेन्द्र सिंह ने की

» सबका सपना

कांधला/शामली: शुक्रवार को ग्राम इस्सोपुर टील मे विकसित कृषि संकल्प अभियान अन्तर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र जलालपुर वैज्ञानिक डा सन्दीप चौधरी ने धान की रोपाई हेतु नर्सरी तैयार करने की श्री पद्धति की तकनीकी जानकारी दी। धान की सीधी बुवाई विधि के बारे मे बताया। फसल गन्ना मे प्रजाति को 0118, 80327, 0237, 13235, 03251 की विशेषता के बारे मे चर्चा की साथ ही बीज शोधन मे कार्बेन्डाजिम, ट्राइकोड्रमा के प्रयोग, गन्ने के मुख्य रोग ब्लैक स्मट, लाल सडन रोग की रोकथाम, के साथ ही संतुलित उर्वरक प्रयोग के बारे मे जानकारी दी। जिला कृषि अधिकारी प्रदीप कुमार यादव ने ग्राम वासियो को किसान सम्मान निधि योजना, फार्मर आईडी, सोलर पम्प योजना, व अन्य विभागीय योजनाओ के बारे किसानो को बताया।

उप कृषि निदेशक प्रमोद कुमार ने जीरो बजट खेती पर किसानो को बताया। साथ ही अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण की जानकारी दी।सहायक विकास अधिकारी कृषि रक्षा अजय तोमर ने जैविक कीटनाशक मे नीम आयल, छाछ द्वारा जैविक फफुद नाशक तैयार करने व प्रयोग विधी के बारे मे बताया। साथ ही अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण की जानकारी दी। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला प्रभारी सन्नी चौहान ने मृदा नमुना संगृहीत करने की विधि की जानकारी दी। इस मौके पर सहायक विकास अधिकारी कृषि जयदेव कुमार, खंड तकनीक प्रबंधक तेजपाल सिंह, ग्राम प्रधान राजेन्द्र सिंह, एफ पी ओ संचालक सुभाष आदि मौजूद रहे।

बालश्रम कर रहे वाल मजदूरों को चेक कर नियमानुसार कार्यवाही की गई

» सब का सपना

संभल: पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के आदेश के अनुक्रम एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा तथा पुलिस उपाधीक्षक बहजोई आलोक सिद्धू के निर्देश के क्रम में चाइल्डलाइन की टीम के साथ प्रभारी निरीक्षक सत्य विजय सिंह थाना AHT ने मय टीम के साथ जनपद के बबराला, गुन्नौर व जुनावई थाना क्षेत्र में विभिन्न दुकानों /संस्थानो/ईंट भट्टों पर बाल श्रम कर रहे बच्चों को चेक किया गया ।

इस दौरान नियमानुसार 09 बच्चों को रेस्क्यू कर दुकानों / प्रतिष्ठानों के मालिक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई ।भट्टों पर जाकर वहां पर उपस्थित भट्टा मालिक/ मैनेजर व ठेकेदारों, श्रमिकों व उनके परिवार वालों को बाल श्रम में बच्चों को न लगाने के संबंध में जागरूक किया गया एवं बताया गया कि किसी भी दशा में 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों को कम पर रखा ना जाए ऐसा करना दंडनीय अपराध है तथा इमरजेंसी सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 108, 112, 1076, 181 आदि के संबंध में जानकारी दी गई l

विकास भवन में आयोजित हुई स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की कार्यशाला का आयोजन

» सब का सपना

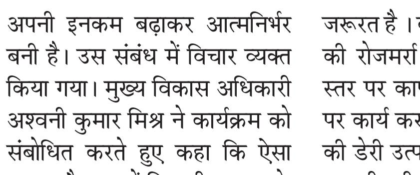

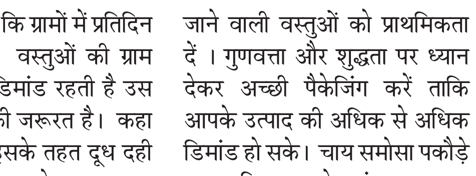

अमरोहा: जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में विकास भवन संभागार में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण के दृष्टिगत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा अपनी इनकम बढ़ाकर किस प्रकार आत्म निर्भर बना जा सकता है से सम्बंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सभागार में उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मशरूम की खेती पशुपालन सिलाई कढ़ाई बुनाई सहित अन्य व्यवसाय में सम्मिलित होकर किस प्रकार अपनी इनकम बढ़ाकर आत्मनिर्भर बनी है। उस संबंध में विचार व्यक्त किया गया। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसा उत्पाद तैयार करें जिसकी जनपद के साथ-साथ आसपास के जनपद और अन्य राज्यों में भी डिमांड हो ।कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मेहनत करके आत्मनिर्भर बन सकती हैं किंतु उत्पाद की गुणवत्ता और शुद्धता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है । कहा कि ग्रामों में प्रतिदिन की रोजमर्रा की वस्तुओं की ग्राम स्तर पर काफी डिमांड रहती है उस पर कार्य करने की जरूरत है। कहा की डेरी उत्पाद इसके तहत दूध दही मट्ठा घी पनीर बनाकर बेचा जा सकता है गांव में इसकी बड़ी मात्रा में खपत होती है । कहा की स्वयं सहायता समूह की महिलाएं विदुर ब्रांड के लिए कार्य करें हर दीदी कुछ नया कार्य करें और बड़े उत्पाद लेकर आए। घरेलू वस्तुएं हर घर में प्रतिदिन प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं को प्राथमिकता दें । गुणवत्ता और शुद्धता पर ध्यान देकर अच्छी पैकेजिंग करें ताकि आपके उत्पाद की अधिक से अधिक डिमांड हो सके। चाय समोसा पकौड़े हर व्यक्ति हर क्षेत्र पंचायत न्याय पंचायत विकासखंड में डिमांड है इससे संबंधित समूह की महिलाएं कार्य करें। समूह की दीदियों के जागरूक होने की जरूरत है ।कहा कि कार्यालय स्तर से सभी सुविधाएं प्रदान की जाएगी आप लोगों को मेहनत करके आगे आना होगा । कहा की जो दीदियां अच्छा कार्य कर रही हैं वह अपने आसपास के लोगों को भी बताएं और समूह में जोड़ें ताकि वह भी आत्मनिर्भर बनकर अपनी इनकम में इजाफा कर सकें। कहा मार्केट भी प्रोवाइड करें। कहा की सेनेटरी नैपकिन जो की ग्रामों में महिलाओं में जानकारी कम है बहुत खपत है बड़ी संख्या में जरूरत है इस पर कार्य करें। कोई भी उत्पाद हो ब्रांड के रूप में प्रस्तुत करें होटल के उत्पादों की भी बहुत बड़ी जरूरत है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विदुर ब्रांड के तहत डेयरी उत्पाद,दैनिक उपयोग की वस्तुवें,खाद्य पदार्थ हस्तनिर्मित उत्पादों पर समूह की दीदियां कार्य करें ।

श्रद्धा भावना के साथ मनाया गया गुरु अर्जन देव जी का शहीदी दिवस

» सब का सपना

ललितपुरः श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वाधान में गुरु अर्जन देव जी का शहीदी पर्व श्रद्धा भावना के साथ गुरुद्वारा साहिब लक्ष्मीपुरा में मनाया गया इस अवसर पर लगातार 40 दिनों से चल रहे कार्यक्रम का आज समापन हुआ

स्त्री साध संगत द्वारा लगातार 40 दिनों तक श्री सुखमणि साहिब जी के पाठ किए गए उपरांत लगातार 40 दिन लंगर चाय नाश्ता गुरु जी की छबील की सेवा भी गुरुद्वारा साहिब में चलती रही आज प्रातः शहीदी दिवस के अवसर पर श्री सहज पाठ साहिब जी व साप्ताहिक पाठ साहिब जी का समापन स्वर्गीय सरदार गुरबचन सिंह हरविंदर सिंह सलूजा परिवार एवं साप्ताहिक पाठ साहिब की सेवा स्त्री साथ संगत द्वारा एवं लंगर की सेवा भी स्त्री साध संगत द्वारा की गई। मुख्य ग्रंथि ज्ञानी जसवीर सिंह जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु अर्जन देव जी को शहीद किया गया था क्योंकि मुगल शासक जहांगीर उनके बढ़ते प्रभाव और उनके धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से नाराज था। गुरु अर्जन देव सिखों के पांचवें गुरु थे, जिन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब का संकलन किया और अमृतसर में स्वर्ण मंदिर की नींव रखी थी। गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष ओंकार सिंह सलूजा ने कहा कि गुरु अर्जन देव के नेतृत्व में सिख धर्म तेजी से फैल रहा था, जिससे जहांगीर को डर था कि यह मुगल शासन के लिए एक चुनौती बन सकता है। गुरु अर्जन देव ने जहांगीर के बेटे खुसरो को आशीर्वाद दिया था, जो जहांगीर से विद्रोह कर रहा था, जिससे जहांगीर को गुस्सा आ गया मंत्री मनजीत सिंह एडवोकेट ने कहा कि जहांगीर एक धार्मिक रूप से असहिष्णु शासक था और उसे गुरु अर्जन देव के सिख धर्म और उनके संदेश से डर चंदू शाह, जो जहांगीर का एक अधिकारी था, गुरु अर्जन देव से भी दुश्मनी रखता था क्योंकि गुरु जी ने उसकी बेटी का विवाह अपने बेटे हरगोबिंद साहिब से करने से इनकार कर दिया था। इन कारणों से, जहांगीर ने गुरु अर्जन देव को गिरफ्तार करवा दिया और उन्हें सजा के रूप में कड़ी यातनाएं दीं, जिससे 1606 में उनकी मृत्यु हो गई. गुरु अर्जन देव को सिख धर्म में पहला शहीद माना जाता है। सिखों के पांचवें गुरु और सिख धर्म के पहले शहीद थे जिन्हें मुगल बादशाह जहांगीर के आदेश पर मार दिया गया था। इस अवसर पर गुरुद्वारा परिसर के बाहर ठंडे मीठे शरबत छबील की सेवा भी राहगीरों के लिए की गई इस अवसर पर अध्यक्ष ओंकार सिंह सलूजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह सलूजा,डॉ सुरेंद्र कौर वालिया, कोषाध्यक्ष परमजीत सिंह छतवाल, मंत्री मनजीत सिंह एडवोकेट, परसन सिंह परमार, गुरमुख सिंह,अवतार सिंह,सुरजीत सिंह खालसा,सतनाम सिंह भाटिया, राजू सिंधी, छोटू चोपड़ा,जगजीत सिंह बॉबी, मनिंदर सिंह सुरजीत सिंह खालसा, हरजीत सिंह,गुणवीर सिंह, जसपाल सिंह,वीरेंद्र सिंह वीके, जसप्रीत सिंह, मेजर सिंह, मनजीत सिंह परमार, जगजीत सिंह परमार,कुलजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, सतवंत सिंह, सुरजीत काके, जसमीत सिंह, मनमीत सिंह सलूजा, जगदीश कालरा,परमजीत सिंह एडवोकेट, तरनदीप सिंह, संदीप सिंह परमार, मिक्की सूरी आदि उपस्थित थे संचालन महामंत्री सुरजीत सिंह सलूजा ने किया।

किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी

खेत में तालाब खुदवाने पर मिलती है 50 प्रतिशत सब्सिडी

» सब का सपना

ललितपुरः भूमि संरक्षण अधिकारी महरौनी राजीव कुमार भारती ने बताया है कि किसानों को सिंचाई की सुविधा बेहतर करने के लिए वित्तीय वर्ष-2025-26 हेतु भूमि संरक्षण इकाई महरौनी में 320 खेत तालाबों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना के तहत किसान अब अपने खेतों में 22&20&3 मी0 आकार का तालाब खुदवा सकते है। इसके लिए सरकार से 50 प्रतिशत सब्सिडी भी मिलती है। यानी कुल लागत एक लाख पांच हजार रुपये के सापेक्ष 50 प्रतिशत सब्सिडी 52, 500 रुपये का अनुदान दो किस्तों में देय होगा। इन तालाबों का इस्तेमाल किसान मछली पालन, खेतों की सिंचाई के लिए कर सकते है। जमीन का जल स्तर भी बढ़ेगा और किसान की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। इस योजना में पहले आओं पहले पाओ के आधार पर किसानों को लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त खेत तालाब पर वाटॅर लिफ्टिंग डिवाइस (पम्पसेट) इलैक्ट्रिक/डीजल) पर भी 50 प्रतिशत अधिकतम 15 हजार रुपये का अनुदान देय होगा। इस योजना का लाभ उठाने के लिए किसानों को कृषि विभाग की बेवसाइड पर पंजीकरण करना होगा। खेत तालाब के पंजीकरण हेतु कृषि विभाग का पोर्टल 02 जून, 2025 से प्रारम्भ होगा।

थाना एंटी हयूमेन ट्रैफिकिंग की मासिक गोष्ठी व कार्यशाला सम्पन्न

» सब का सपना

ललितपुरः पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देश में एएसपी/नोडल अधिकारी कालू सिंह की उपस्थिति में थाना एएचटी, समस्त थानों के बाल कल्याण पुलिस अधिकारी के साथ मासिक गोष्ठी माह मई 2025 की समीक्षा बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यशाला सभागार कक्ष में की गयी। इसमें महिला व बाल सुरक्षा संगठन लखनऊ द्वारा जारी एसओपी, अनुसंधान एवं थानों पर नियुक्त बाल कल्याण पुलिस अधिकारी के समक्ष आ रही समस्या एवं सुझाव पीडित्तों के आवासन, बाल गुमशुदा, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम, लैंगिक समानता, साइबर क्राइम, प्रोटेक्शन ऑफ सेक्सुअल हरेसमेंट एक्ट 2013, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, नारी शक्ति किशोर न्याय अधिनियम 2015 मे हुए नवीनतम संशोधन पॉक्सो एक्ट के अभियोग पंजीकृत होने के 24 घंटे के अंदर सीडब्ल्यूसी को सूचित करना, पॉस्को के मामले में फार्म ए व बी व एसबीआर रिपोर्ट, फालो अप रिपोर्ट पुलिस द्वारा भरकर संबंधित को समय से भेजा जाना बाल कल्याण अधिकारी के कर्तव्य का पालन, जे.जे एक्ट के अंतर्गत सामाजिक पृष्ठभूमि आदि तथा पोक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्तों की माननीय उच्च न्यायालय से प्राप्त बेल नोटिस को बाल कल्याण समिति एवं वादी /पीडित्ता को अंदर समय उपलब्ध कराना के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की गई। साथ ही साथ जनपद मे गुमशुदा बच्चों के पंजीकृत व लंबित मामलों व पॉस्को एक्ट के अन्तर्गत पंजीकृत अभियोगों पर चर्चा व जेजे एक्ट से सम्बंधित आदेश निर्देश एवं जागरुकता के अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में सीडब्लूसी, जिला प्रोबेशन, श्रम विभाग, चाइल्ड लाइन, प्रधान किशोर न्याय बोर्ड, जिला अभियोजन, वन स्टाफ सेन्टर एवं अन्य विभागों से सम्बन्धित लोग मौजूद रहे।

शासन स्तर से वृक्षारोपण को लेकर लक्ष्य निर्धारित

वृक्षारोपण व पर्यावरण समिति की बैठक में डीएम ने दिये निर्देश

» सब का सपना

ललितपुर : कलेक्ट्रैट सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण व पर्यावरण समिति मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उप प्रभागीय वनाधिकारी, सामाजिक वानिकी प्रभाग डा. शिरीन ने शुभारंभ करते हुये समिति को बताया कि वर्ष 2025 में कराये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु समस्त विभागों के लिए शासन स्तर से लक्ष्य निर्धारित किये जा चुके है। जिसके क्रम में स्थल चयन, कार्य योजना एवं गड्ढा खुदान सूचना कुछ विभागों से प्राप्त नहीं हुई है। जिलाधिकारी द्वारा समस्त विभागों को निर्देशित किया गया कि वह दो दिन के भीतर स्थल चयन, गड्ढा खुदान, एवं कार्य योजना प्रभागीय निदेशक कार्यालय को प्रेषित करना सुनिश्चित करें। बैठक में सीएम की अध्यक्षता में इस वर्ष कराये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्गत निर्देशों पर भी चर्चा कि गयी एवं समिति को अवगत कराया गया कि मानसून के जल्दी आगमन के दृष्टिगत वन महोत्सव सप्ताह 01 से 07 जुलाई तक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम समस्त विभागों के समन्वय एवं व्यापक प्रचार प्रसार के माध्यम से जन सहभागिता के साथ किया जाएगा अवगत कराया। बताया कि अतिरिक्त विशिष्ट वनों में अटल वन, एकता वन, एकलव्य वन, ऑक्सी वन, शौर्य वन, गोपाल वन, त्रिवेणी वन की स्थापना की जाएगी। बैठक में डा.शिरीन ने बताया कि गत वर्ष की भांति वेटलैण्ड संरक्षण वन, वृक्ष प्रसाद, पौध भण्डारा, पौधों की बारात, भाई-बहन वृक्षारोपण, पवित्र धारा वृक्षारोपण, एक पेड़ गुरू के नाम आदि का आयोजन किया जाना है। उप प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि वृक्षारोपण अभियान 2025 में 20 प्रतिशत फलदार पौधों की प्रजातियों का रोपण, एक्सप्रेस वे एवं मुख्य राज्य मार्गों के दोनों ओर वृक्षारोपण एवं प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवासीय योजना के लाभार्थी एवं जीरो पावर्टी लाइन के अंतर्गत चिन्हित परिवारों को दो-दो सहजन के पौधों का वितरण एवं रोपण किये जाने के निर्देश प्राप्त हुए है, जिनके अनुपालन में जिलाधिकारी ने समस्त विभागों को शासन कि मंशा के अनुरूप निर्देशों का अनुपालन करने के निर्देश दिये। इस दौरान आद्र्भूमि के बाउंड्री डेमार्केशन के कार्य पर चर्चा कर सम्बंधित अधिकारियों को ससमय कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एडीएम अंकुर श्रीवास्तव, उपायुक्त मनरेगा रमेश यादव, अधिशासी अभियंता भूपेश सुहेरा, सीवीओ डा.भगवान सिंह, उद्यान अधिकारी परवेज खान, ईओ नगर पालिका दिनेश कुमार एवं अन्य विभागों से सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

वर्तमान परिवेश में पत्रकारिता करना एक मिशन है: प्रेस क्लब

» सब का सपना

- धूमधाम से मनाया गया हिन्दी पत्रकारिता दिवस

ललितपुरः प्रेस क्लब (राज.) ललितपुर के तत्वाधान में प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले (सप्पू) की अध्यक्षता में स्थानीय अमर शहीद पं. गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकार भवन में हिन्दी पत्रकारिता दिवस के पावन अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। संरक्षक मंडल के सदस्यों के साथ प्रेस क्लब के पदाधिकारियों सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया से जुड़े वरिष्ठ पत्रकारों ने अमर शहीद पं. श्री गणेश शंकर विद्यार्थी को नमन करते हुए उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें भाव भीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संरक्षक मंण्डल के सदस्यों ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर अपने विचार रखते हुए उसके औचित्य पर प्रकाश डालते हुए पत्रकारों की अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की और बधाई दी। प्रेस क्लव अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू ने बताया कि 30 मई 1826 को उदन्त मार्तण्ड नाम से समाचार पत्र का पहला अंक प्रकाशित किया गया था। इस साप्ताहिक समाचार पत्र के संम्पादक जुगल किशोर शुक्ल जो पेशे से वकीक थे अपनी क्रान्तिकारी लेखनी के माध्यम से ब्रिटिश हुकूमत की नीव हिलाकर रख दी थी। उन्होने कहा कि तमाम बाधाओं, प्रतिबन्धों व प्रतिकूल परिस्थितियों के बाद भी स्वतंत्रता आंन्दोलन में भारतीय पत्रकारिता ने राष्ट्र के प्रति अपने कत्तव्यों व महत्वपूर्ण दायित्वों का सही दिशा में निर्वहन किया और अपनी क्रान्तिकारी यात्रा की। उन्होंने हिन्दी भाषा में प्रकाशित साप्ताहिक समाचार पत्र व पत्रकारिता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वर्तमान परिवेश में भारतीय लोकतन्त्र के संरक्षण एव संवर्धन में प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया की भूमिका बेहद अहम है और उसके महत्वपूर्ण योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता, अन्त में उन्होंने उपस्थित सभी पत्रकार बंधुओं को हिन्दी पत्रकारिता दिवस की शुभकामनाएं व बधाई देते हुए अपने कर्तव्य पथ पर चलने का आवाहन किया। इस दौरान कार्यालय प्रभारी अजित जैन भारती, उपाध्यक्ष विजय जैन कल्लू, महामंत्री अमित सोनी, अजय जैन बरया, रवि जैन चुनगी, संतोष शर्मा, राजीव शुक्ला, सरदार मंजीत सिंह, आचार्य लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा, मो. नसीम, दिनेश संज्ञा, कृष्ण बिहारी उपाध्याय, अनंत सराफ, पवन संज्ञा, सर्वदेव तिवारी, राहुल चौबे, सुनील शर्मा, विनीत चतुर्वेदी, भरत रावत, अमित पांडेय, अनूप ताम्रकार, जसपाल सिंह बंटी, नीरज, रवि शंकर सेन, शैलेन्द्र जैन, अभय श्रीमाली, संदीप शर्मा एड., सुनील जैन, राहुल जैन, अजय तोमर, जयेश बादल, अशोक गोस्वामी, सुनील सैनी, सौरभ गोस्वामी, पूजा कश्यप, विपुल जैन, अमित जैन मोनू, अजय जैन अज्जू, मनीष पाठक, संजू श्रोती, आशीष पांडेय, अनूप नांगल, अमित लखेरा, अशोक तिवारी, अनूप सेन, बृजेश तिवारी, अमित संज्ञा, राहुल शुक्ला, बृजेश पंथ, संजय ताम्रकार, शिब्बू राठौर, राजेश कुमार राठौर, शुभम् पस्तोर, बलराम पचौरी, इमरान मंसूरी, अजितेश भारती, पुष्पा झा, स्वतंत्रत रिछारिया, शहनाज़, प्रदीप रिछारिया, निहाल सेन, यशपाल सिंह परमार, कुंदन पाल, आकाश ताम्रकार, रमेश रायकवार, दिव्यांश शर्मा, सूरज सिंह, इंद्रजीत गौतम, विनोद मिश्रा, कृष्णकांत सोनी, सोनम यादव, अशफाक कुरैशी, श्याम बिहारी दीक्षित, आशीष तिवारी, ध्रुव राजा, दीपक पाराशर, माधव सिंह, अमित पाठक, राममूर्ति तिवारी, पंकज रायकवार, सुमित रायकवार, कपिल नायक भैसाई, विकास सोनी, वेद प्रकाश लिटौरिया, अमित राठोर, संतोष साहनी, महेश वर्मा, संजय चंदेल, भूपेंद्र सोनी, भगवान सिंह, अनन्त सराफ, आरिफ खान, देवेन्द्र पाठक, अर्जुन झा, अश्वनी गोलू पुरोहित, सूरज राजपूत, हितेंद्र बड़घरिया रिंकू, आशाराम तिवारी के अलावा अनेकों पत्रकार साथी मौजूद रहे।

यातायात पुलिस द्वारा चलाया गया चेकिंग अभियान, 47 वाहनों के चालान, 7 वाहन सीज

» सब का सपना

ललितपुरः पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देश में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात आलोक कुमार तिवारी द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा बिना नंबर प्लेट/फाल्टी नंबर प्लेट, बिना हेलमेट, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी, खिलाफ अभियान चलाया गया।

और आम जनमानस को यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक किया गया यथा- दो पहिया वाहन पर चालक और पीछे बैठी सावरी अनिवार्य रूप से हेलमेट लगाएं, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाएं, निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन न चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें, सीट बेल्ट अवश्य बांधे, मोडिफाइड साइलेंसर न लगवाएं, लेन ड्राइविंग का पालन करें प्रवर्तन की कार्यवाही के अंतर्गत 47 वाहनों का एम.वी. एक्ट की विभिन्न धाराओं में चालान करते हुए 07 वाहनों को सीज किया गया।

गौर कॉलोनी में चोर गैंग की चहलकदमी से लोगों में दहशत

» सब का सपना

ललितपुरः बीती देर रात आधा दर्जन से अधिक बदमाशों का गैंग सदर चौकी अंतर्गत कैलगुवां रोड स्थित गौर कालोनी में घूमता हुआ नजर आया। इसी कालोनी में विगत दिनों तीन घरों से एक ही रात में लाखों रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। मामले की शिकायत भी कोतवाली में दर्ज करायी गयी थी, लेकिन प्रभावी कार्यवाही न होने के कारण यहां चोरों ने फिर से चहलकदमी की है। जिससे अब कालोनी के अलावा शहर के अन्य मोहल्लों के लोगों में भी दहशत का माहौल देखने को मिल रहा है। बताया गया है कि सदर चौकी क्षेत्र अंर्तगत गौर कालौनी में देर रात चोरों का आतंक सीसीटीवी कैमरे के कैद हो गया। चोरों द्वारा एक मकान के ताले काटकर वह अंदर घुस गए। इसी दौरान चोरो का साहस इतना बढ़ गया कि वह मकान मालिक से बात भी करने लगे, पुलिस की सतर्कता के चलते चोर वहाँ से भाग खड़े हुए। चोरो की इस करतूत का वीडियो वहां पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बताया गया है कि गौर कलौनी में देर रात 7 चोर (नकाबपोश चोर) भैरव प्रसाद यादव के मकान में ताला काटकर जा घुसे, यही नही चोरो ने गृहस्वामी से बात भी की, इसके बाद वहाँ पर पुलिस पहुँच गयी, जिसकी जानकारी मिलते ही चोर वहां से भाग खड़े हुए, चोरो द्वारा मोहल्ले में घूमने व मोहल्ले में आवारा घूम रहे जानवरो को पत्थर मारने तक की वीडियो वहाँ पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है।

गूगल मीट कर एसपी ने कसे अधिनस्थों के पेंच

आकस्मिक परिस्थिति में सुरक्षा व कानून व्यवस्था रखें सुदृढ़ : मो. मुश्ताक

» सब का सपना

ललितपुरः पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने गूगल मीटिंग के माध्यम से जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना, शाखा, चौकी प्रभारियों आदि के साथ अपराध एवं कानून-व्यवस्था के संबंध में मीटिंग कर सर्व-संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। आगामी त्योहार (बकरीद) के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस बल लगाने, लम्बित विवेचना, जांच प्रार्थना पत्र आदि के उचित, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण व विभिन्न पोर्टल को अध्यावधिक करने के निर्देश दिये गये। उन्होंने सभी सीओ व थाना प्रभारियों को प्रतिदिन जनसुनवाई कर शिकायतकर्ता की समस्या का समाधान करने हेतु निर्देशित किया। कानून-व्यवस्था को सुदृढ बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक थाना क्षेत्र में शराब के ठेको, ढाबों, हाईवे पर अधिकाधिक गुणवत्तापूर्ण सीसीटीवी कैमरे लगवाने, सिम कार्ड वैरीफिकेशन, सक्रिय अपराधियों, रोहिंग्या/बांग्लादेशियों, ई-रिक्शा चालकों, स्वामियों आदि का सत्यापन करने हेतु निर्देशित किया। डायल-112 पर प्राप्त इवेन्ट्स के परिपेक्ष्य में अभियोग पंजीकरण का अनुपात कम है, जिसकी उचित रूप से मॉनिटरिंग करने हेतु सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। अपराधों की समीक्षा की गयी तथा लम्बित विवेचनाओं/पार्ट पीआई का गुण-दोष के आधार पर शीघ्र उचित निस्तारण कराया जाए तथा अभियोगो में वांछित, एनबीडब्ल्यु, कुर्की अभियुक्तों की शीघ्र नियमानुसार गिरफ्तारी/तामीला कराना सुनिश्चित करें। निरोधात्मक कार्यवाही अन्तर्गत धारा 126/135 बीएनएसएस के अन्तर्गत प्रभावी रूप से नियमानुसार करवाना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस, समाधान दिवस, जनसुनवाई रजिस्टर को निर्धारित प्रारूप में तैयार करने, अध्यावधिक करने तथा प्रकरण का विवरण विस्तृत रूप से अंकित करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। माफियाओं को उनके सम्बन्धित पोर्टल में अपलोड व अध्यावधिक करने, थानों पर लम्बित मालों का उचित व नियमानुसार निस्तारण कराने, लूट, डकैती, चोरी, छिनैती की घटनाओं के रोकथाम के लिए पुलिस को भ्रमणशील रहने के निर्देश दिये गये। एसपी ने सभी थानों के अंतर्राज्जीय बोर्डर पर बैरियर लगाकर सघन चैकिंग करने के निर्देश दिये। ऑपरेशन कनविक्शन के तहत चिन्हित अभियोगों में प्रभावी पैरवी करते हुए न्यायालय के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा अपराधियों को अधिक से अधिक सजा दिलाने हेतु निर्देशित किया गया है। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतो की प्रतिदिन समीक्षा कर, उनका उचित, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराकर आवेदक की समस्या का शत-प्रतिशत निराकरण कराने को कहा। यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने रखने हेतु समस्त थाना प्रभारी/यातायात प्रभारी प्रतिदिन बिना नम्बर प्लेट वाहनों की प्रभावी चैकिंग करने तथा वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी बैठाने, हेलमेट/सीट बेल्ट का उपयोग न करने वाले तथा रोड़ पर स्टंटबाजी करने वाले वाहन चालको /स्वामियों के विरूद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। गुमशुदा, अपहृत बालक, बालिकाओं की शीघ्र बरामदगी हेतु समस्त क्षेत्राधिकारियों/थाना प्रभारियों की निर्देशित किया।

संक्षिप्त समाचार

सिद्धारमैया सरकार फिर से मुस्लिम कोटा बिल राष्ट्रपति को भेजने पर विचार कर रही है

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार फिर से मुस्लिम कोटा बिल राष्ट्रपति को भेजने पर विचार कर रही है, जबकि राज्य के राज्यपाल थावरचंद गहलोत दो बार इस विधेयक को लौटा चुके हैं। अब राज्य की कांग्रेस सरकार ने एक बार फिर इस बात पर जोर दिया है कि इस बिल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेजा जाए। इस विधेयक में एक करोड़ रुपये तक के सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान है। इसी साल मार्च में राज्य विधानमंडल ने इस बिल का पारित किया था।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (संशोधन) विधेयक, 2025 को भारत के राष्ट्रपति के विचार के लिए भेजे जाने संबंधी अपने फैसले पर पुनर्विचार करने से बुधवार को इनकार कर दिया था। इससे पहले राज्यपाल गहलोत ने 16 अप्रैल को इस विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए सुरक्षित रख लिया था लेकिन 28 मई को सभी संभावनाओं को खारिज कर दिया।

गवर्नर के फैसले को अदालत में चुनौती देने पर विचार: अब राज्य के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने गुरुवार को इस बिल पर अगला कदम उठाने का फैसला लेने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और कानूनी विशेषज्ञों से मिलने की योजना बनाई थी, हालांकि वह बैठक स्थगित कर दी गई। टीओआई की एक रिपोर्ट में वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि सिद्धारमैया सरकार ने अब गवर्नर गहलोत के फैसले को अदालत में चुनौती देने पर विचार किया है और चर्चा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संवैधानिक विशेषज्ञों ने कथित तौर पर अदालती कार्रवाई ना करने की सलाह दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कानूनी विशेषज्ञों ने राज्य सरकार से कहा है कि अदालत का दरवाजा खटखटाने की बजाय वैकल्पिक मार्ग तलाशे जाएं। इस बावत आज (शुक्रवार, 30 मई को) को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाई गई है, जिसमें इस मुद्दे पर अनौपचारिक रूप से चर्चा होने की संभावना है।

भाजपा की आपत्तियों के बावजूद विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजा था: बता दें कि गवर्नर थावरचंद गहलोत ने भाजपा की आपत्तियों के बावजूद पहली बार विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेज दिया था। भाजपा ने तब इस पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि यह बिल संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है क्योंकि इसमें धर्म के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था की गई है। दूसरी बार, इस बिल को लौटाते हुए गवर्नर गहलोत ने हाल के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया है कि अनुच्छेद 15 और 16 धर्म के आधार पर आरक्षण पर रोक लगाते हैं और कोई भी सकारात्मक कार्यवाही सामाजिक-आर्थिक कारकों पर आधारित होनी चाहिए।

सरकारी नौकरी के लिए फिजिकल टेस्ट देने वाले 2 लोगों की मौत, अब तक 5 गंवा चुके हैं जान

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में सरकारी नौकरी हासिल करने की कोशिश में जुटे दो लोगों की मौत हो गई है। खास बात है कि दोनों की मौत नौकरी के लिए दिए गए फिटनेस टेस्ट के बाद हुई है। इसके अलावा 6 अभ्यर्थी अस्पताल में भर्ती हो गए हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब ऐसा मामला सामने आया हो। बीते दो महीनों में कई अभ्यर्थी फिजिकल टेस्ट के दौरान जान गंवा चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के दौरान गुरुवार को गजपति जिले में 2 होमगार्ड अभ्यर्थियों की मौत हो गई। इनमें 24 वर्षीय सुलंत मिशल और 27 साल के दीपक पडालू का नाम शामिल है। दोनों नारायणपुर गांव के रहने वाले थे। बीते दो महीनों में सरकारी नौकरी के लिए दिए फिजिकल टेस्ट के दौरान 5 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल, दीपक और सुलंत की मौत की जांच जारी है।

पुलिस का कहना है कि मिशल ने 10 मिनट में 2 किमी दौड़ पूरी की थी और उनका चयन अगले राउंड के लिए हुआ था। टेस्ट पूरा करने के बाद उन्होंने बेचैनी होने की बात कही, जिसके चलते उन्हें गजपति जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया।

जोधा वाली फिल्म झूठी, रानी नहीं दासी से हुई थी अकबर की शादी: राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने दावा किया है कि भारतीय इतिहास में ब्रिटिश इतिहासकारों के शुरुआती प्रभाव के कारण कई गलत और झूठे तथ्य दर्ज हैं। इसमें जोधाबाई और मुगल सम्राट अकबर की शादी की कहानी भी शामिल है। राज्यपाल की इस टिप्पणी ने 1569 में आमेर शासक भारमल की बेटी और अकबर के बीच विवाह के ऐतिहासिक विवरण पर एक नई बहस को फिर से हवा दे दी है।

राज्यपाल बागड़े ने बुधवार शाम उदयपुर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए यह दावा किया कि अकबरनामा में जोधा और अकबर की शादी का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने दावा किया, ऐसा कहा जाता है कि जोधा और अकबर की शादी हुई... उस पर फिल्म भी बनी। इतिहास की किताबें भी यही कहती हैं, लेकिन यह झूठ है। बागड़े ने आगे यह भी दावा किया, भारमल नाम के जो राजा थे, उन्होंने अपनी एक दासी की बेटी की शादी अकबर से करवाई थी। आमेर मौजूदा जयपुर के पास स्थित है और यह कछवाहा राजपूत शासकों की कई सदियों तक राजधानी रही। हालांकि सवाई जयसिंह द्वितीय ने 1727 में राजधानी जयपुर स्थानांतरित कर दी थी।

बागड़े ने कहा, हमारे शूरवीरों का इतिहास अंग्रेजों ने बदला। उन्होंने इसे ठीक से नहीं लिखा और इतिहास का उनका संस्करण शुरू में स्वीकार कर लिया गया। बाद में, कुछ भारतीयों ने इतिहास लिखा, लेकिन यह भी अंग्रेजों से प्रभावित था। उन्होंने राजपूत शासक महाराणा प्रताप द्वारा अकबर को संधि की चिट्ठी लिखे जाने के ऐतिहासिक दावे का भी विरोध किया और इसे पूरी तरह से भ्रामक बताया।

राज्यपाल ने कहा,महाराणा प्रताप ने कभी अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। इतिहास में अकबर के बारे में ज्यादा और महाराणा प्रताप के बारे में कम पढ़ाया जाता है। उन्होंने यह भी कहा, हालांकि अब धीरे-धीरे स्थितियां सुधर रही हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और गौरवशाली इतिहास को सहेजते हुए हर क्षेत्र में अग्रसर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि महाराणा प्रताप और शिवाजी महाराज राष्ट्र भक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने कहा, दोनों के जन्म के बीच 90 साल का अंतराल है। अगर वे समकालीन होते तो देश का इतिहास कुछ और होता। दोनों को वीरता और देशभक्ति के एक ही नजरिए से देखा जाता है। बागड़े ने यह भी कहा कि उनके सम्मान में महाराष्ट्र के संभाजीनगर में महाराणा प्रताप की घुड़सवार प्रतिमा स्थापित की गई है।

कुत्ते ने लिफ्ट में पड़ोसी को काटा, कोर्ट ने मालिक को सुनाई 4 महीने की कठोर सजा

मुंबई, एजेंसी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कुत्ते के काटने की घटना में अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने एक 40 साल के व्यक्ति को उसके पालतू कुत्ते के द्वारा पड़ोसी को लिफ्ट में काटे जाने के मामले में चार महीने की कठोर कैद और 4,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला शहर के वर्ली स्थित अल्फा अपार्टमेंट्स का है। आरोपी ऋषभ पटेल को जानबूझकर चोट पहुंचाने और पालतू जानवर के साथ लापरवाही बरतने के आरोप में दोषी ठहराया गया है।

मजिस्ट्रेट सुहास भोसले ने कहा, सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखता है कि आरोपी अपने ही पालतू कुत्ते को जबरन लिफ्ट में घसीटता है। इससे साफ है कि उसे न तो अपने पालतू जानवर की चिंता थी, न ही लिफ्ट में मौजूद लोगों की। उन्होंने आगे कहा, ऐसे कृत्य के लिए अदालत बहुत अधिक नरमी नहीं बरत सकती।

कांग्रेस पर फिर बरसे भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, कहा-

मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए लोगों की चिता की आग ठंडी भी न हुई थी, यूएस के दबाव में पाक से क्यों की बात?

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर कांग्रेस पर करारा हमला बोला है और आरोप लगाया है कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए 180 लोगों की चिता की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि केंद्र की तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने अमेरिकी दबाव में आकर दुश्मन देश पाकिस्तान से बातचीत शुरू कर दी थी। उन्होंने अपनी बात के समर्थन में लोकसभा में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का दिया बयान भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए दुबे ने आरोप लगाया कि अमेरिका के दबाव में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के तुरंत बाद पाकिस्तान के साथ बातचीत फिर से शुरू करने का फैसला किया था। एक्स पर साझा उस पोस्ट में दुबे ने जुलाई 2009 में मिस्र के शर्म अल-शेख में मनमोहन सिंह और पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी के बीच हुई बैठक का जिक्र किया है और कहा है कि यह नवंबर 2008 के मुंबई हमलों के बाद दोनों देशों के बीच पहली औपचारिक बातचीत थी।

निशिकांत दुबे ने क्या लिखा?: निशिकांत दुबे ने बैठक के समय पर सवाल उठाते हुए लिखा, मुम्बई में पाकिस्तान ने हमला 26 नवंबर 2008 को किया। 180 लोग मरे व 300 घायल हुए,चिता की आग ठंडी भी नहीं हुई, 1 दिसंबर से बिना पाकिस्तान पर आक्रमण किए बातचीत अमेरिकी दबाव में शुरू किया या नहीं, यह वक्तव्य प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का है लोकसभा में?

जनवरी 2009 में विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी या नहीं?: भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान के साथ बातचीत न केवल समय से पहले हुई बल्कि बाहरी ताकतों, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रभावित भी थी। उन्होंने 2009 के कई उदाहरणों का हवाला दिया जहां भारतीय और पाकिस्तानी नेताओं ने कूटनीतिक बातचीत की। उन्होंने पूछा, जनवरी 2009 में विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी या नहीं? जून 2009 में रूस में पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी से किसी तीसरे देश की मध्यस्थता में मिले थे या नहीं? जुलाई 2009 में अमेरिकी दबाव में शर्मल शेख मिस्र गए थे और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से समझौता किया था या नहीं?

कांग्रेस पार्टी के कथित नरम रवैये की भी आलोचना: 2011 में हुई एक और बड़ी आतंकी घटना का जिक्र करते हुए दुबे ने कहा कि इस तरह के हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को लगातार समर्थन दिए जाने को उजागर करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कथित नरम रवैये की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 2011 में फिर से मुंबई में विस्फोट हुआ, जिसमें 26 लोग मारे गए और 200 लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर करके हमारा सिर ऊंचा किया, सालों बाद पाकिस्तान दहशत में है। कांग्रेस पूरी तरह से आतंकी पाकिस्तान के साथ मिली हुई है। जनता जाए भाड़ में। इससे पहले, गुरुवार को एक पोस्ट में दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान 1988 में पाकिस्तान के साथ हुए कथित परमाणु समझौते को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा था। दुबे के अनुसार, इस समझौते पर अमेरिकी दबाव के तहत हस्ताक्षर किए गए थे। उन्होंने कथित रूप से गोपनीय पत्र पोस्ट किया था, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह पत्र पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने राजीव गांधी को भेजा था, जिसमें भारत-पाकिस्तान वार्ता के लिए एजेंडा निर्धारित करने में अमेरिका की भूमिका को रेखांकित किया गया था।

एक्सप्रेसवे पर कार से डेढ़ करोड़ रुपये समेत 450 ग्राम सोना सीज, व्यापारी को आयकर विभाग का नोटिस

मथुरा, एजेंसी। यूपी में यमुना एक्सप्रेस वे पर कार से मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये और साढ़े चार सौ ग्राम सोने के मामले में आयकर विभाग ने व्यापारी दीपक खंडेलवाल को नोटिस थमा दिया है। उससे इसके बारे में दो दिन में जवाब मांगा है। बताते चलें कि गोविंद नगर थाना क्षेत्र की माधव कुंज कॉलोनी, मसानी रोड निवासी दीपक खण्डेलवाल सोने-चांदी की सप्लाई का व्यापार करता है। बुधवार को दीपक आगरा में सामान सप्लाई करने के बाद पेमेंट व बचा हुआ सोना लेकर अपनी कार से दिल्ली की ओर जा रहे थे। सूचना मिलने पर आयकर विभाग सक्रिय हो गया। आनन-फानन में थाना प्रभारी निरीक्षक मांट जसवीर सिंह और आयकर अधिकारी आगरा लोकेश उत्प्रेति अपनी टीम के साथ यमुना एक्सप्रेस वे के मांट टोल प्लाजा पर वाहन चेकिंग में जुट गए। आयकर व पुलिस की संयुक्त टीम ने बुधवार देर शाम आगरा की ओर से आ रही स्विफ्ट कार को रोका गया। पूरी रात आयकर विभाग के अधिकारी दीपक खंडेलवाल से पूछताछ करते रहे लेकिन गाड़ी में मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये व 452 ग्राम सोने के बारे में दीपक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इस पर टीम ने सोना व नकदी सीज कर दी। आयकर अधिकारी उत्प्रेति ने गुरुवार की सुबह बताया कि बरामद रुपये वसोने को फिलहाल मांट पुलिस के सुपुर्द किया गया है और दीपक खण्डेलवाल को नोटिस देकर बरामद रुपये व सोने के बाबत जवाब मांगा गया है। जवाब मिलने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी। एसपी देहात ने बताया कि आयकर विभाग से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने एक्सप्रेस वे से काफी नकदी व सोना व्यापारी की कार से बरामद किया। आयकर टीम ने जांच कर साढ़े चार सौ ग्राम सोना, करीब एक करोड़ 49 लाख नकदी सीज कर दी है।

पूर्व में भी पकड़ा जा चुका है सोना व रुपये: यमुना एक्सप्रेस वे पर पूर्व में भी सोना व रुपया पकड़ा जा चुका है। यह बात दीगर है कि दोनों मामलों में कोई खास कार्रवाई न कर सोने व रुपयों को रिलीज कर दिया गया। आठ दिसम्बर 2023 को गोरखपुर के अश्वनी कुमार की गाड़ी से दो करोड़ रुपया पुलिस व आबकारी विभाग ने पकड़ा था। कई दिनों की जांच के बाद रुपया रिलीज कर दिया गया। 21 अक्तूबर 24 को एक कार से पुलिस व आबकारी टीम ने करीब दस करोड़ के जेवरात पकड़े थे, जिन्हें कई दिनों की जांच के बाद जीएसटी विभाग ने वापस कर दिया था।

शांति मिशनों में भारत सबसे आगे, अपराधों की जवाबदेही तय करने में निभा रहा भूमिका, यूएन शांति प्रमुख बोले

न्यूयार्क, एजेंसी। भारत शांति सुरक्षा के क्षेत्र में बहुत अहम भूमिका निभाता है। यह न केवल अपने जवानों के जरिए शांति मिशनों में योगदान देता है, बल्कि शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों की जवाबदेही सुनिश्चित करने जैसे कई प्रयासों का भी नेतृत्व करता है। संयुक्त राष्ट्र के शांति सुरक्षा विभाग के प्रमुख जीन-पियरे लाक्रॉइक्स ने यह बात कही।

संयुक्त राष्ट्र में शांति अभियानों के अवर महासचिव जीन-पियरे लाक्रॉइक्स की यह टिप्पणी गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दिवस के मौके पर एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान आई। वह 24-25 फरवरी को भी नई दिल्ली आए थे, जब भारत की ओर से पहले महिला शांति सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन में 35 देशों की महिला शांति सैनिकों ने भाग लिया था। इसमें शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका और सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा हुई थी। लाक्रॉइक्स ने कहा कि कि भारत शांति सैनिकों और पुलिस बल के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है और महिला शांति सैनिकों के मामले में भी भारत अग्रणी भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि शांति मिशनों में महिलाओं की संख्या बढ़ाना और उन्हें राजनीतिक प्रक्रियाओं में शामिल करना जरूरी है ताकि शांति बनाए रखने के प्रयास सफल हों। यह कोई विचारधारा नहीं, बल्कि हकीकत है कि महिलाओं की भागीदारी से शांति प्रयास और मजबूत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र की महिला सैन्य सलाहकार मेजर जनरल शेरिल पियर्स के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में लाक्रॉइक्स ने कहा कि महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, लेकिन अभी और प्रयास करने की जरूरत है, खासकर वरिष्ठ पदों पर।भारत यूएन शांति मिशन के लिए चौथा सबसे बड़ा सैनिक योगदानकर्ता देश है। यह अब तक 5,300 से अधिक सैनिक और पुलिसकर्मी अफ्रीका, लेबनान, सोमालिया, दक्षिण सूडान और पश्चिमी सहारा जैसे इलाकों में तैनात कर चुका है। भारत 2007 में लाइबेरिया में पहली बार पूरी तरह महिलाओं से बनी पुलिस यूनिट भेजने वाला देश था। जनवरी 2023 में भारत ने अबीई मिशन (सूडान और दक्षिण सूडान की सीमा पर स्थित विवादित क्षेत्र) में महिला शांति सैनिकों की सबसे बड़ी टुकड़ी भेजी। दिसंबर 2022 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की अध्यक्षता के दौरान शांति सैनिकों के खिलाफ अपराधों की जवाबदेही बढ़ाने के लिए 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स' की शुरुआत की और एक नए डाटाबेस का शुभारंभ किया जो अपराधों को दर्ज करता है और दोषियों को सजा दिलाने में मदद करता है।

ताइवान के पास चीन की घुसपैठ बढ़ी, 16 सैन्य विमान और 8 नौसैनिक जहाज देखे गए

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार सुबह जानकारी दी कि चीन ने ताइवान के पास सैन्य घुसपैठ तेज कर दी है। सुबह 6 बजे तक 16 चीनी सैन्य विमानों, 8 नौसैनिक जहाजों और 1 सरकारी जहाज की गतिविधि ताइवान के आसपास देखी गई। इनमें से 7 विमान ताइवान की हवाई पहचान जोन में घुसे और मीडियन लाइन पार कर उत्तरी और पूर्वी क्षेत्र में दाखिल हुए। ताइवान की सेना ने हालात पर नज़र रखी और जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रही। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। इसके पहले गुरुवार को भी चीन की ओर से 8 नौसैनिक जहाज और एक सरकारी जहाज ताइवान के आसपास देखे गए थे। उस समय कोई विमान नहीं था, इसलिए फ्लाइट पाथ की तस्वीर शेयर नहीं की गई।

पाक को दिए हथियार क्यों हो गए फुस्स पीएल-15ई का जिक्र होते ही घबरा गए चीनी डिफेंस प्रवक्ता; भारत का नाम आते ही साध ली चुप्पी

बीजिंग, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन्स और मिसाइल के जरिए हमला करने की कोशिश की थी, इस हमले में पाकिस्तान ने चीन से खरीदे गए हथियारों का इस्तेमाल किया था। इनमें से कुछ मिसाइल तो टारगेट पर पहुंचकर फुस्स हो गए थे और फटे ही नहीं।

इन हथियारों में चीन का पीएल-15ई रडार संचालित बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल भी शामिल था, जिसे पाकिस्तान ने भारत पर हमले के लिए इस्तेमाल किया था। लेकिन यह मिसाइल भी फटा नहीं।

फिलहाल यह मिसाइल भारतीय सेना के हवाले है। लेकिन चीन को यह बात हजम नहीं हो रही है कि उसका कथित तौर पर सुपर ब्रांड का मिसाइल नाकाम रहा। इसे लेकर जब चीन की सेना से सवाल पूछे गए, तो उनके पास जवाब देने के लिए कुछ नहीं था।

चीन की सेना को सवाल का जवाब नहीं

सूझा तो वे डिप्लोमेसी का ज्ञान देने लगे। भारत-पाकिस्तान तनाव को 20 दिन गुजर चुके हैं, लेकिन चीन के पास अभी तक इसका कोई जवाब नहीं है।

पीएल-15ई को सबसे एडवांस रॉकेट बताता है चीन: पीएल-15ई को चीन अपना सबसे एडवांस रॉकेट बताता है और जब चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सीनियर कर्नल झांग जियाओगांग से पत्रकारों ने इस रॉकेट से जुड़ा सवाल किया तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा, आपने जिस मिसाइल का उल्लेख किया है, वह एक निर्यात किया जाने वाला हथियार है और इसे कई बार देश-विदेश में रक्षा प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया जा चुका है। बता दें, भारतीय अधिकारियों ने एक पूरा सबूत पीएल-15ई बरामद किया है, जो 9 मई को पंजाब के होशियारपुर में मिला था। इस मिसाइल से पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया था। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग ने पीएल-15ई से जुड़े सवालों को नजरअंदाज करते हुए डिप्लोमेसी पर ज्ञान देने लगे। उन्होंने कहा, भारत और पाकिस्तान ऐसे पड़ोसी हैं, जिन्हें अलग नहीं किया जा सकता है। हम आशा करते हैं कि दोनों पक्ष शांत और संयमित बने रहेंगे और स्थिति को और अधिक जटिल बनाने वाली कार्रवाई से बचेंगे। पत्रकारों ने कर्नल झांग से यह भी सवाल किया था कि क्या चीन ने भारत-पाकिस्तान के बीच टकराव के दौरान पाकिस्तान को हवाई रक्षा औ सैटेलाइट सहायता प्रदान की थी और इस दौरान चीनी हथियारों ने औसत से कम प्रदर्शन किया। इस सवाल को कर्नल झांग ने टाल दिया। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग ने कहा कि चीन एक व्यापक और स्थायी संघर्ष विराम प्राप्त करने और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बनाए रखने में रचनात्मक भूमिका जारी रखने के लिए तैयार है।

आईपीएल-2025

लखनऊ समेत 5 टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर

मुंबई की टीम कैसे क्वालिफाई कर सकती है?

मुंबई की टीम के दो मैच बाकी हैं। उन्हें 21 मई को दिल्ली कैपिटल्स से मुंबई में और 26 मई को पंजाब किंग्स से जयपुर में भिड़ना है। इन दोनों मैचों में जीत मुंबई को प्लेऑफ में पहुंचा देगी। यहां तक कि मुंबई की दिल्ली पर जीत उन्हें प्लऑफ में पहुंचा देगी। अगर मुंबई की टीम दिल्ली को हरा देती है तो उनके 16 अंक हो जाएंगे। वहीं, दिल्ली के भी दो मुकाबले बचे हैं। हालांकि, मुंबई से हारने के बाद उनका सफर समाप्त हो जाएगा। आखिरी मुकाबला जीतने पर भी उनके 15 ही अंक हो पाएंगे और टीम मुंबई की बराबरी नहीं कर पाएगी। दिल्ली पर जीत के बाद अगर मुंबई की टीम अपने आखिरी मैच में पंजाब से हार भी जाती है तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। दिल्ली के खिलाफ हार मुंबई के समीकरण को बिगाड़ सकती है। फिर उन्हें पंजाब के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी, साथ ही यह मनाना होगा कि दिल्ली अपने आखिरी मैच में पंजाब से नहीं जीते। इस स्थिति में मुंबई के 16 और दिल्ली के 15 ही अंक रह जाएंगे और मुंबई की टीम क्वालिफाई कर जाएगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 अब दिलचस्प मोड़ तक पहुंच चुका है। प्लेऑफ के लिए जंग दिलचस्प हो चली है। अब तक तीन टीमों ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है, जबकि पांच टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। सोमवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स भी सनराइजर्स हैदराबाद से हारकर इस दौड़ से बाहर हो गई। अब सिर्फ दो टीमों के बीच चौथे स्थान के लिए टक्कर है। ये दो टीमें हैं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स। अब मुंबई और दिल्ली के बीच 21 मई को होने वाला मुकाबला वर्चुअल नॉकआउट होगा। अगर इस मैच में दिल्ली की टीम हारी तो प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। उनके लिए जीत ही एकमात्र विकल्प होगा।

इससे पहले रविवार को डबल हेडर ने तीन टीमों के लिए प्लेऑफ का रास्ता साफ कर दिया। गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। हालांकि, प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली टीमों का फिलहाल पायदान तय नहीं है और यह आगे के कुछ मुकाबलों के बाद तय हो जाएगा। वहीं, प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली टीमों में लखनऊ के अलावा राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स शामिल हैं।

गुजरात, पंजाब और बेंगलुरु ने कैसे किया क्वालिफाई?

17 मई को आरसीबी का कोलकाता के खिलाफ मुकाबला बारिश से धुल गया था। दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले थे। इससे बेंगलुरु के 12 मैचों में 17 अंक हो गए थे। इसके बाद रविवार को गुजरात ने दिल्ली को और पंजाब ने राजस्थान को हराकर दो-दो अंक बटोरे। इससे गुजरात के 12 मैचों में 18 अंक और पंजाब के 12 मैचों में 17 अंक हो गए। इन तीनों टीमों के अभी दो-दो और मैच बाकी हैं। ऐसे में ये टीमें 20 अंक का आंकड़ा भी पार कर सकती हैं। अन्य टीमों में सिर्फ मुंबई ही है जो 17 अंक को पार सकती है। दिल्ली अधिकतम 17 अंक तक पहुंच सकती है। वहीं, लखनऊ अधिकतम 16 अंक तक पहुंच सकती है। ऐसे में आरसीबी और पंजाब ने क्वालिफाई कर लिया।

बेंगलुरु, गुजरात और पंजाब ने बनाया रिकॉर्ड

बेंगलुरु ने पिछले छह सीजन में पांचवीं बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है। वहीं, गुजरात ने पिछले चार सीजन में तीसरी बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। हालांकि, यह पंजाब के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि टीम ने 11 वर्षों में पहली बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। टीम ओवरऑल तीसरी बार प्लेऑफ में पहुंची है। श्रेयस आईपीएल में पहले कप्तान बन गए हैं, जिसने तीन टीमों को प्लेऑफ में पहुंचाया है। पंजाब से पहले वह दिल्ली के कप्तान (2019, 2020) रहते हुए और 2024 में कोलकाता के कप्तान रहते हुए प्लेऑफ में पहुंच चुके हैं।

ऋषभ पंत की अगुवाई वाली एलएसजी के आईपीएल 2025 से बाहर

भावुक टीम मालिक ने शेयर किया दिल का दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2025 के 61वें मैच में अभिषेक शर्मा के अर्धशतक और हेनरिक क्लासेन की 47 रनों की पारी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हराकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बाद टीम के मालिक संजीव गोयनका ने सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट साझा किया।

लखनऊ को खिताबी मुकाबले में बने रहने के लिए जीत की दरकार थी लेकिन अभिषेक और क्लासेन ने इस पर पानी फेर दिया। लखनऊ ने मिशेल मार्श (65) और एडेन मार्करम (61) के शानदार अर्धशतकों की बदौलत 205/7 का मजबूत स्कोर बनाया। इसके जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास में पहली बार एकाना स्टेडियम में 200 से ज्यादा रनों का लक्ष्य हासिल किया जिसमें अभिषेक शर्मा ने महज 20 गेंदों पर 59 रनों की शानदार पारी (18 गेंदों पर अर्धशतक) खेली। क्लासेन की धमाकेदार पारी की बदौलत टीम ने 18.2 ओवर में 206/4 का स्कोर बनाते हुए मैच को अपने नाम कर लिया। प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने पर लखनऊ के मालिक संजीव गोयनका ने सोशल मीडिया पर लिखा, सीजन का दूसरा भाग चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन इसमें बहुत कुछ है जिससे हम हिम्मत रख सकते हैं। जोश, प्रयास और उत्कृष्टता के क्षण हमें आगे बढ़ने के लिए बहुत कुछ देते हैं। दो मैच बचे हैं। आइए गर्व के साथ खेलें और मजबूती से खत्म करें। गौर हो कि लखनऊ हार के बाद 12 मैचों में 10 अंकों के साथ सातवें स्थान पर खिसक गई जबकि सनराइजर्स ने सीजन की चौथी जीत दर्ज करते हुए 9 अंक हासिल किए।

पंत यह स्वीकार करने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि उनका सत्र अच्छा नहीं रहा :मार्श

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत के बावजूद एक बेहतरीन मैच विजेता की अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके और लखनऊ सुपर जाइंट्स के मिचेल मार्श ने टीम के आईपीएल से बाहर होने के बाद कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज यह स्वीकार करने वाला पहला व्यक्ति होगा कि इस लुभावनी टी20 लीग में उनका सत्र अच्छा नहीं रहा।

सुपर जाइंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सोमवार को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा और इसके साथ टीम प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो गई जबकि उसके दो और मैच बचे हैं। सुपर जाइंट्स के कप्तान पंत ने 12 मैच में 135 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 100 से कम है। यह 2016 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए पदार्पण करने के बाद से उनका सबसे खराब आईपीएल सत्र रहा है।

अब तक पांच अर्धशतक से 443 रन बनाने वाले मार्श ने संवाददाताओं से कहा, 'वह यह कहने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि उनका सत्र वैसा नहीं रहा जैसा उन्हें पसंद होता लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं कि कभी-कभी क्रिकेट इसी तरह चलता है। मार्श ने उम्मीद जताई कि पंत सुपरजाइंट्स के आखिरी दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, हालांकि ये महज औपचारिकता के मुकाबले होंगे। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, बेहद कुशल और बेहद प्रतिभाशाली है इसलिए वह वापसी करेगा।

सत्र के सकारात्मक पहलुओं के बारे में पूछे जाने पर मार्श ने कहा कि 14वें लीग मैच के खत्म होने के बाद सभी के प्रदर्शन की जांच की जा सकती है। मार्श ने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद इस सत्र के बाद आत्मचिंतन का समय आएगा। मेरा ध्यान बस अपनी टीम और अपनी फ्रेंचाइजी के लिए अगले दो मैच जीतने में योगदान देने की कोशिश करने पर है। जैसा कि मैंने कहा कि आईपीएल एक बहुत बड़ा टूर्नामेंट है और इसमें जीत का अंतर बहुत कम होता है। उन्होंने कहा, 'हमने पूरे सत्र में कुछ करीबी मैच गंवाए जो अब हमें नुकसान पहुंचा रहे हैं, लेकिन हां, अब यह सब इस बारे में है कि हम जितना संभव हो सके इस सत्र को मजबूती से खत्म करें।

सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले सत्र में केवल आक्रमण करने के अपने सिद्धांत के

साथ टी20 बल्लेबाजी की नई परिभाषा लिखी थी लेकिन इस सत्र के दौरान यह कारगर नहीं रहा जहां टीम पहले ही प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है जबकि अभी उसके दो मैच बचे हुए हैं। मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने कहा, 'लोगों ने इस बारे में बात की है कि जाहिर तौर पर हम इस वर्ष आक्रामक होने की प्रतिष्ठा के साथ आए थे और फिर पहले मैच में हमने 280 रन बनाए। इस बात की चर्चा थी कि यह जारी रहेगा। मुझे लगता है कि हमारे लिए यह सिर्फ परिस्थितियों के बारे में सीखना और यह समझना है कि हम उन परिस्थितियों में कैसे खेलते हैं और कुछ बार हम लड़खड़ा गए।

इस पूर्व दिग्गज स्पिनर ने कहा कि टीम के लिए हालात से सामंजस्य बैठाना एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया। विटोरी ने कहा, 'शायद (हम) उतनी जल्दी सामंजस्य नहीं बैठा पाए जितना हम चाहते थे और ऐसा खेल खेला जो उन तरह के विकेटों के अनुकूल नहीं था इसलिए यह प्रमुख सीख है।

हर्षल पटेल ने आईपीएल में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया, मलिंगा और बुमराह को छोड़ा पीछे

लखनऊ (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सोमवार को एकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ एकमात्र विकेट लेकर 150 आईपीएल विकेट पूरे किए। हैदराबाद के ज्यादातर गेंदबाजों की तरह हर्षल भी महंगे साबित हुए। फिर भी वह कैश-रिच लीग के इतिहास में सबसे कम गेंदों में यह उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे।

हर्षल को खेल का अपना एकमात्र विकेट लेने के लिए 16वें ओवर तक इंतजार करना पड़ा। चौथी गेंद पर उन्होंने गति से रहित एक निर्दोष यॉर्कर को अंजाम देकर एडेन मार्करम को बोल्ड किया और 61 (38) के स्कोर पर क्रीज पर उनकी शानदार बल्लेबाजी का अंत किया। हर्षल ने चार ओवरों का पूरा कोटा फेंकने के बाद 1/49 के आंकड़े के साथ लौटे। हर्षल ने अपना 150वां आईपीएल विकेट मनाया और 2381 गेंदों में उपलब्धि हासिल की, जो टूर्नामेंट के इतिहास में किसी खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज है।

चालाक तेज गेंदबाज ने लसिथ मलिंगा के 2444 के टैली को बेहतर रिकॉर्ड बनाया। इसी के साथ ही उन्होंने युजवेंद्र चहल (2543), ड्वेन ब्रावो (2656) और जसप्रीत बुमराह (2832) को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करवाया। हालांकि, 2021 और 2024 के पर्पल कैप विजेता के ऐतिहासिक क्षण को मिशेल मार्श और एडेन मार्करम ने फीका कर दिया जिन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से लखनऊ को हराकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया।

मुम्बई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने पर टीम में शामिल होंगे ये तीन धमाकेदार खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाईची मुंबई इंडियंस ने इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो, रिचर्ड ग्लीसन और श्रीलंका के चरित असलंका को विल जैक्स, रयान रिकलटन और कॉर्बिन बॉश के स्थान पर अस्थायी तौर पर टीम में जगह दी है।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुम्बई इंडियंस ने बेयरस्टो को 5.25 करोड़ रुपए, तेज गेंदबाज ग्लीसन को एक करोड़ और असलंका को 75 लाख रुपए में अनुबंधित किया है। ये खिलाड़ी मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में जगह बनाने पर टीम के साथ उपलब्ध रहेंगे।

मुम्बई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच बुधवार प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए भिड़ंत होगी। जैक्स 26 मई को मुम्बई इंडियंस का अंतिम लीग मैच खेलने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की एकदिवसीय श्रृंखला के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़ देंगे। वहीं रिकलटन और बॉश वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तैयारी के लिए दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे।

आज प्लेऑफ के लिए दावा मजबूत करने उतरेंगे मुंबई और दिल्ली

मुंबई (एजेंसी)। एकमात्र उपलब्ध प्ले ऑफ स्थान के लिए चुनौती पेश कर रही मुंबई इंडियन्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को जब यहां आमने-सामने होंगी तो दोनों की नजरें इस मुकाबले को जीतकर अपना दावा मजबूत करने पर टिकी होंगी। मुंबई का पलड़ा हालांकि भारी नजर आ रहा है। टीम ने बेहद खराब शुरुआत के बाद जोरदार वापसी की और अब शीर्ष चार में शामिल है।

दिल्ली की शुरुआत काफी अच्छी रही थी लेकिन टीम अपने पिछले छह मैच में सिर्फ एक जीत दर्ज कर पाई है। सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लखनऊ सुपरजाइंट्स की हार के साथ टीम की प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीद भी खत्म हो गई जिससे अब मुकाबला मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होगा। गुजरात टाइटन्स, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले ही नॉकआउट में जगह पक्की कर ली है।

मुंबई इंडियंस (14 अंक) और दिल्ली कैपिटल्स (13 अंक) दोनों के पास प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका है। लेकिन वानखेड़े स्टेडियम में मेजबान टीम प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। मुंबई की जीत से उनके 16 अंक हो जाएंगे और टीम अक्षर पटेल की अगुवाई वाली टीम की पहुंच से बाहर हो जाएगी। वहीं दिल्ली कैपिटल्स को आगे बढ़ने के लिए अपने बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने की जरूरत है। दोनों टीमों को अपने आखिरी मुकाबले पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलने हैं।

मुंबई इंडियंस की फॉर्म और गहराई उनके पक्ष में है। टीम को हालांकि लगभग दो सप्ताह पहले गुजरात टाइटन्स के खिलाफ करीबी मैच में हार का सामना करना पड़ा था। लगातार छह जीत के बाद मुंबई को यह हार झेलनी पड़ी थी। जीत के साथ मुंबई की टीम प्लेऑफ में पहुंच जाएगी लेकिन हार की स्थिति में उनका भाग्य 24 मई को दिल्ली और पंजाब के बीच होने वाले मुकाबले के नतीजे पर निर्भर करेगा। महेला जयवर्धने के मार्गदर्शन में खेल रही टीम हालांकि दिल्ली को हराकर अगर-मगर पर विराम लगाना चाहेगी।

मुंबई के सुपरस्टार रोहित शर्मा पर सभी की नजरें होंगी क्योंकि टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद यह उनका पहला मैच होगा। यह अनुभवी बल्लेबाज अपनी पूरी ताकत झोंकने और अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए उत्सुक होगा। मुंबई की टीम अपने मौजूदा संयोजन का भी पूरा लाभ उठाना चाहेगी जिसमें रेयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश प्रमुख भूमिकाओं में हैं। प्लेऑफ से पहले ये दोनों दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ने के लिए रवाना होंगे।

सूर्यकुमार यादव बल्ले से अपनी बेहतरीन फॉर्म को जारी रखना चाहेंगे लेकिन मुंबई को तिलक वर्मा के लय हासिल करने की उम्मीद होगी। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मौजूदा सत्र में प्रभाव छोड़ने में विफल रहा है और पिछले पांच मैच में तीन बार दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाया। इस ब्रेक से जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे गेंदबाजों को जरूरी आराम और थकान से उबरने का मौका मिला होगा।

दिल्ली को गुजरात के खिलाफ पिछले मैच में अपने शीर्ष तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क (14 विकेट) की कमी खली जो आईपीएल के बहाल होने पर वापस नहीं लौटे। स्टार्क की गैरमौजूदगी में दिल्ली ने गुजरात के खिलाफ पिछला मैच 10 विकेट से गंवाया। दिल्ली की टीम लोकेश राहुल (493 रन) के प्रदर्शन पर काफी निर्भर है जिन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शानदार शतक बनाया था।

इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी की कमजोरियां उजागर हो गई लेकिन स्टार्क की जगह आए मुस्ताफिजुर रहमान ने शानदार गेंदबाजी की। दिल्ली ने आईपीएल की शुरुआत छह में से पांच मैच जीतकर की थी लेकिन दूसरे हाफ में उसका प्रदर्शन काफी खराब रहा है। कुलदीप यादव (12 विकेट) ने एक छोर से नियंत्रण बनाया है लेकिन कप्तान अक्षर के लिए यह सत्र काफी हद तक निराशाजनक रहा है जिन्होंने अब तक 263 रन बनाने के अलावा सिर्फ पांच विकेट चटकाए हैं।

टीमें

मुंबई इंडियंस – हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रेयान रिकेल्टन, श्रीजीत कृष्णन, बेवन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिचेल सेंटनर, राज अंगद बावा, रघु कुमार, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान और जसप्रीत बुमराह।

दिल्ली कैपिटल्स – अक्षर पटेल (कप्तान), मुस्ताफिजुर रहमान, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकांडे, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

समय–शाम 7.30 बजे।

दिग्वेश-अभिषेक पर गिरी गाज, एक पर बैन तो दूसरे पर भारी जुर्माना, चलते मैच में हाथापाई करने चले थे

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के स्पिनर दिग्वेश राठी और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को सोमवार को आईपीएल 2025 के मैच के दौरान हुई तीखी नोकझोंक के लिए सजा मिली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच नोकझोंक इस कदर बढ़ गई थी कि हाथापाई तक पहुंच गए थे। लेकिन साथी खिलाड़ी बीच बचाव में आ गए और स्थिति संभल गई।

आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए दिग्वेश पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह इस सीजन में अनुच्छेद 2.5 के तहत एलएसजी स्पिनर का तीसरा लेवल 1 अपराध था और इसलिए उनके दो डिमिट पॉइंट मिले जिसके परिणामस्वरूप उन पर एक मैच का बैन लग गया। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर सोमवार को एकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल के मुताबिक, यह इस सीजन में अनुच्छेद 2.5 के तहत उनका तीसरा लेवल 1 अपराध था और इसलिए उन्हें दो डिमेरिट अंक मिले हैं, इसके अलावा उन्होंने पहले तीन डिमेरिट अंक जमा किए थे 01 अप्रैल 2025 को पंजाब किंग्स के खिलाफ एक डिमेरिट अंक और 04 अप्रैल 2025 को मुंबई इंडियंस के खिलाफ दो डिमेरिट अंक। चूंकि अब उनके पास इस सीजन में पांच डिमेरिट अंक हैं जिसके परिणामस्वरूप एक गेम का निलंबन बनता है, दिग्वेश अब लखनऊ के 22 मई 2025 को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ होने वाले मैच के लिए निलंबित रहेंगे।

वैभव सूर्यवंशी के साथ मॉर्फ्ड फोटो देख भड़का प्रीति जिंटा का गुस्सा, अभिनेत्री ने लगाई फटकार

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस और आईपीएल टीम पंजाब किंग्स की सह-मालिक प्रीति जिंटा इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल एक फेक फोटो को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फोटो में उन्हें राजस्थान रॉयल्स के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को गले लगाते हुए दिखाया गया है। हालांकि, प्रीति ने इस फोटो को पूरी तरह से फर्जी बताया है और इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने इस वायरल फोटो को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने साफ किया कि यह तस्वीर मॉर्फ की गई है और इसके पीछे कुछ न्यूज चैनल्स का हाथ है। प्रीति ने एक्स पर लिखा, 'यह तस्वीर पूरी तरह से फर्जी और मॉर्फ की गई है। हैरानी की बात है कि अब न्यूज चैनल्स भी ऐसी फर्जी इमेज को न्यूज आइटम बनाकर परोस रहे हैं।

प्रीति ने वैभव से मिलाया था हाथ – दरअसल 18 मई को पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मैच के बाद अभिनेत्री ने खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के साथ सिर्फ हाथ मिलाया था, जिसकी तस्वीर राजस्थान रॉयल्स के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर भी की गई लेकिन इस तस्वीर को मॉर्फ करके इंटरनेट पर वायरल कर दिया गया। इस मैच में प्रीति की टीम पंजाब किंग्स ने जीत दर्ज करते हुए प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की की। मैच के बाद प्रीति जिंटा मैदान पर बेहद एक्साइटेड नजर आईं और खिलाड़ियों को बधाई दी।

सोशल मीडिया पर लोगों की तीखी प्रतिक्रिया – प्रीति के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की भी प्रतिक्रिया सामने आने लगी है। कई यूजर्स ने एक्ट्रेस का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें इस मामले को कोर्ट तक ले जाना चाहिए। एक यूजर ने लिखा, 'ये मीडिया के कुछ हिस्सों की गिरती साख का उदाहरण है, बस व्यूज और टीआरपी के लिए किसी की छवि के साथ खेलना गलत है।' वहीं एक दूसरे यूजर ने सवाल उठाया कि आखिर यह खबर बनी क्यों? उन्होंने कहा कि अगर किसी से हाथ मिलाना भी खबर बन जाए और उस पर मॉर्फिंग की जाए, तो यह मीडिया की विश्वसनीयता पर बड़ा सवाल है।

क्रिमिनल जस्टिस मेरे लिए पहला एक्सपीरियंस है, जिसका थिएट्रिकल सेटअप है

पंकज त्रिपाठी और श्वेता बसु की जोड़ी वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' का चौथा सीजन लेकर आ रहे हैं। इस शो का पहला सीजन साल 2019 में आया था। 7 साल बाद भी इस लीगल ड्रामा को लेकर ऑडियंस में क्रेज बरकरार है। हर सीजन में माधव मिश्रा के किरदार को ऑडियंस का खूब प्यार मिला है। पंकज त्रिपाठी और श्वेता बसु को ऑन स्क्रीन दांव पेंच को ऑडियंस ने तीसरे सीजन में खूब पसंद किया था।

श्वेता, क्रिमिनल जस्टिस में आपने एक तेज तर्रार प्रॉसिक्यूटर का रोल निभाया है। इसके लिए क्या तैयारियां रहीं?

मैं हर किरदार के लिए एक बेसिक तैयारी करती हूं और एक बैक स्टोरी लिखती हूं। सीजन 3 में मैंने किरदार अगस्त्य के लिए भी लिखा था कि वो कहां पली-बढ़ी है। पेरेंट्स के साथ रिश्ते कैसे हैं, दोस्त कैसे हैं, पढ़ाई कितनी की है? उसे किस तरह का म्यूजिक पसंद है, किन रंगों के कपड़े पहनती है। मेरे लिए किरदार को स्क्रिप्ट के अलावा जानना बहुत जरूरी होता है। अगर बतौर एक्टर में उस किरदार को नहीं जानती हूं फिर मेरे लिए उसे ऑडियंस के सामने लाना बहुत मुश्किल होगा। मैंने कभी थियेटर नहीं किया है लेकिन करना चाहती हूं। मुझे लाइव परफॉर्मिंग आर्ट देखना बहुत पसंद है। क्रिमिनल जस्टिस मेरे लिए पहला एक्सपीरियंस है, जिसका थिएट्रिकल सेटअप है। मेरे लंबे और ब्लॉकिंग सीन्स हैं। इस में लंबे मोनोलॉग हैं। लाइन्स बहुत टेक्निकल हैं। इन सारी बातों का मैंने खूब फायदा उठाया है। मेरी कोशिश रहती है कि जब मेरे पास स्क्रिप्ट आ जाए तो मैं उसे बार-बार पढ़ूं। जैसे खाने को बनाने से पहले मैरिनेट करते हैं, वैसे ही मैं सेट पर मैरिनेट होकर पहुंचती हूं।

पंकज के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

पंकज जी सीनियर और दिग्गज एक्टर हैं। इसके अलावा कमाल के को एक्टर और इंसान भी हैं। सेट पर इनके साथ काफी पढ़ाई, म्यूजिक और लाइफ के बारे में अच्छी बातें होती हैं। इनके अंदर कोई एटीट्यूड, गुस्सा या नखरे नहीं हैं। एक तरह से बहुत बोरिंग इंसान हैं। ये सिर्फ शास्त्रीय संगीत, लिटरेचर पर बात करते हैं।

'मां' मेरी पहली हॉरर मायथोलॉजी फिल्म है

काजोल की हॉरर-थ्रिलर फिल्म 'मां' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। पहली बार काजोल किसी हॉरर-मायथोलॉजी फिल्म में नजर आ रही हैं। पिछले साल आई अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म 'शैतान' की दुनिया से ये अगली फिल्म है। फिल्म में काजोल एक मां के किरदार में नजर आ रही हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च का इवेंट मुंबई में किया गया। जिसमें अभिनेत्री काजोल ने दमदार अंदाज में एंट्री की। काजोल इवेंट में ब्लैक कलर की साड़ी में पहुंचीं। इस दौरान अजय देवगन भी मौजूद रहे।

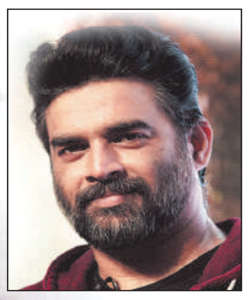

फिल्म में नजर आएंगे माधवन

मां का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जिसके साथ ही 'शैतान' की दुनिया में अब 'मां' की भी एंट्री हो गई है। फिल्म आर माधवन भी दोइतो के किरदार में नजर आएंगे।

इस मौके पर काजोल ने कहा कि ये मेरी पहली माइथो-हॉरर फिल्म है। किरदार की तैयारी के सवाल पर काजोल ने कहा कि मैं ज्यादा किरदार के प्रिपरेशन में भरोसा नहीं करती हूं। पूरी टीम मिलकर काम करती है, तब एक अच्छी फिल्म बनती है।

शैतान से नहीं कर सकते तुलना

हॉलीवुड की हॉरर फिल्मों से कम्पेयर करने और उनकी कहानियों के सवाल पर अजय देवगन ने कहा कि हमारे पास माइथो है, इस पर कहानी बनाना जरूरी था। हॉलीवुड वालों ने कहानियां क्रिएट की हैं, हमारे पास असली कहानी है, बस उसे एक्सप्लोर करना बहुत जरूरी है। 'शैतान' से फिल्म की तुलना पर अजय ने कहा कि दो फिल्मों की तुलना नहीं कर सकते। उम्मीद है कि ये फिल्म भी लोगों को पसंद आएगी।

'पहले हॉरर फिल्मों को नहीं माना जाता था मेन स्ट्रीम'

इस दौरान अजय देवगन ने कहा कि हॉरर फिल्मों को एक वक्त पर मेन स्ट्रीम नहीं मान जाता था। पता नहीं लोगों ने कभी बड़ी स्टारकास्ट के साथ प्रयास क्यों नहीं किया। लेकिन अब जब ऐसा हो रहा है तो अच्छा है।

'मुझे कभी हॉरर फिल्में ऑफर नहीं हुईं'

करियर में पहली बार हॉरर फिल्म करने के सवाल पर काजोल ने कहा कि मुझे कभी भी हॉरर फिल्म के लिए एप्रोच नहीं किया गया। ये इनके प्रोडक्शन में मौका मिला। पहले कुछ फिल्मों को छोड़कर हॉरर फिल्मों की स्क्रिप्ट ज्यादातर अच्छी नहीं होती थी। लेकिन अब अच्छी स्टोरीलाइन है, हम अच्छी फिल्में बना रहे हैं।

फातिमा सना शेख ने इसलिए की ओटीटी की तारीफ

बॉलीवुड अभिनेत्री फातिमा सना शेख आखिरी बार साल 2023 में फिल्म सैम बहादुर में नजर आई थीं। वह अगले साल बहुत व्यस्त रहने वाली हैं। उनके पास कई फिल्में हैं। फातिमा सना शेख जल्द ही आप जैसा कोई, गुस्ताख इश्क और मेट्रो... इन दिनों जैसी कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। फिल्मों के अलावा सना वेब सीरीज न्याय में नजर आएंगी।

फातिमा सना शेख से जब पूछा गया कि उन्होंने न्याय शो से ओटटी में कदम क्यों रखा? इस पर उन्होंने कहा मुझे कहानी बहुत पसंद आई। इसमें मेरा किरदार दिलचस्प था और मैं पहली बार एक पुलिस की भूमिका निभाने वाली थी। इसलिए मैं इसके लिए उत्साहित हूं। इस कहानी का एक मकसद है। यह कहानी ऐसी है जो किसी चीज के बारे में बात करती है। इसलिए मुझे एक ऐसे शो का हिस्सा बनकर बहुत मजा आया जो सिर्फ एक विषय से कहीं बड़ा है।

इन दिनों फिल्मों और सीरीज में कई बड़े अभिनेता काम कर रहे हैं। कुछ बड़े पर्दे पर तो कुछ ओटीटी के लिए काम कर रहे हैं। इस पर फातिमा ने कहा रेखा धुंधली हो गई है और आज हर कोई सिर्फ अच्छे प्रोजेक्ट बनाना चाहता है। अच्छे प्रोजेक्ट को लोगों तक पहुंचाना चाहता है। इस समय माध्यम ज्यादा मायने नहीं रखता। सिनेमा का आकर्षण है। ओटीटी पर इसकी कमी महसूस होती है, लेकिन वेब पर बहुत सारी बेहतरीन चीजें हैं। यहां बॉक्स ऑफिस का कोई दबाव नहीं है। लोग वही बना रहे हैं जो वे बनाना चाहते हैं और इसमें एक आजादी है। सना आगे कहती हैं ओटीटी माध्यम की खूबसूरती यह है कि आप अपना काम वहां रखते हैं और इसे देखना या न देखना दर्शकों की इच्छा है। इसमें आजादी है और इस तरह एक कलाकार भी तनाव मुक्त रहता है।

काम में बिजी थीं सना

सना से पूछा गया कि क्या आपने स्क्रीन से दो साल की दूरी को याद किया? इस पर सना ने कहा मुझे कमी महसूस नहीं हुई क्योंकि मैं काम कर रही थी। मैंने पिछले साल चार प्रोजेक्ट किए, इसलिए मैं अपने काम में इतनी व्यस्त थी कि मैं आसपास की हर चीज को भूल गई। मैं ऐसी चीजों को तभी महसूस करती हूं जब मेरे पास कोई काम नहीं होता।

फिल्म खरीफ' के लेखन से बहुत खुश हूं - विक्रम सिंह

» गिरजा शंकर अग्रवाल

मुंबई : राइटर विक्रम सिंह ने बताया कि मैने तीन साल पहले फिल्म 'त्वमेव सर्वम'में अभिनय किया था। इसके बाद एक शॉर्ट फिल्म 'एक अजनबी शाम' में मुख्य किरदार निभाया । 'त्वमेव सर्वम' फिल्म के लिए मुझे दो बार बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। और कई लोगों ने मेरे अभिनय की तारीफ की। मैं 'खरीफ' में एक लेखक के रूप में कदम रख रहा हूँ। इस दो घंटे की फिल्म में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के पासआउट अभिनेता और कुछ अनुभवी थिएटर कलाकार हैं। फिल्म के निर्माता श्री धीरेंद्र डिमरी हैं। और इसे श्री त्रिलोक कोठारी जी की कंपनी तृषा स्टूडियो रिलीज कर रही है।

मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर हैरी ठाकुर शादी के बंधन में जल्द बंध जायेंगे

» गिरजा शंकर अग्रवाल

मुंबई : बॉलीवुड के मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर हैरी ठाकुर 1 जून 2025 को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। हैरी ठाकुर की शादी दिल्ली की रहने वाली शिवानी जादौन से हो रही है । जो एक फैशन डिजाइनर भी हैं। हैरी ठाकुर और शिवानी पहले से ही एक दूसरे के परिवार से जुड़े हुए हैं। तथा दोनों परिवार पहले से ही रिश्तेदार हैं। हैरी ठाकुर ने बॉलीवुड में कई सीरियल और फिल्मों के लिए कास्टिंग की है। और फिलहाल ज़ी म्यूजिक, B4U के लिए बतौर प्रोड्यूसर काम कर रहे हैं। मेरे साथ हैरी ठाकुर जिन्हें हरेंद्र सिंह तोमर के नाम से भी जाना जाता है। वो एक राजनीतिक विशेषज्ञ हैं और इंडियन पॉलिटिकल स्ट्रैटेजिस्ट कंपनी के संस्थापक मालिक भी हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस शशि शर्मा के हाथों मिला अवार्ड : प्रशांत कुमार

» गिरजा शंकर अग्रवाल

मुंबई : एक्टर प्रशांत कुमार पैरोडकर ने हमारे संवाददाता गिरजा शंकर अग्रवाल को बताया कि मैं फिल्म ओर टीवी सीरियल का एक्टर हूं । मैं महाराष्ट्र के भुसावल का रहने वाला हूं। मेरा जन्म गुजरात के अहमदाबाद में हुआ है। मुझे मुंबई ,पुणे ,नासिक ,अहमदाबाद में टी .वी .सीरियल, वेब सीरीज, लघु फिल्म, एल्बम हिंदी, मराठी फिल्म₹ ठाणे गोंडल, टीवी सीरियल ₹लक्ष्मी निवास, मैने पुलिस का किरदार निभाया है ।ओर हमारी हिंदी फिल्म बागी 4 ' की शूटिंग गोरेगांव में चल रही हैं। तथा मुझे बॉलीवुड एक्ट्रेस शशि शर्मा के हाथों से अवॉर्ड मिला हैं। साथ ही मै आप सभी प्रेस रिपोर्टर, प्रोडक्शन हाउस वालों का बहुत-बहुत आभार हूं। और मैं धन्यवाद करता हूं।

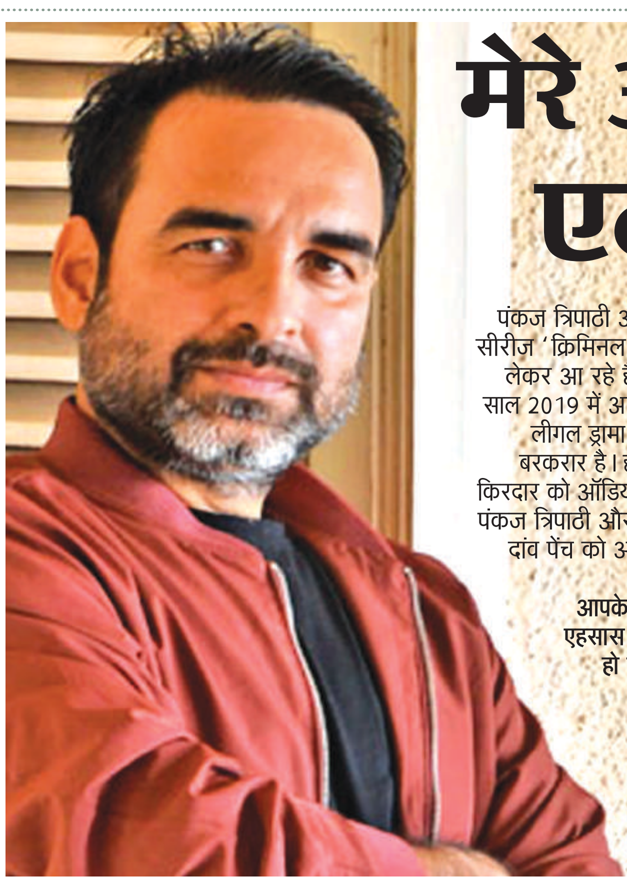

मेरे अंदर स्टार वाला एटीट्यूड नहीं है

पंकज त्रिपाठी और श्वेता बसु की जोड़ी वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' का चौथा सीजन लेकर आ रहे हैं। इस शो का पहला सीजन साल 2019 में आया था। 7 साल बाद भी इस लीगल ड्रामा को लेकर ऑडियंस में क्रेज बरकरार है। हर सीजन में माधव मिश्रा के किरदार को ऑडियंस का खूब प्यार मिला है। पंकज त्रिपाठी और श्वेता बसु को ऑन स्क्रीन दांव पेंच को ऑडियंस ने तीसरे सीजन में खूब पसंद किया था।

आपके चेहरे में आम आदमी वाला एहसास है, जिससे हर कोई कनेक्ट हो जाता है। इस बात को मेंटेन करना कितना मुश्किल है?

बहुत मुश्किल नहीं है। मेरे जैसा होने के लिए एफर्ट लगाने की जरूरत नहीं होती है। मैं रील और रियल दोनों जगह इस चीज को मेंटेन करता हूं। मेरे साथ दूसरी चुनौतियां हैं। मैं एक्टर हूं और मेरे अंदर वो एक्टर वाला एलिमेंट क्यों नहीं आता है? मेरे अंदर क्या केमिकल लोचा है। मूडी, थोड़ा गुस्सैल, स्टाइलिश, एटीट्यूड दिखाना, ये सब एक्टर एलिमेंट होते हैं। मेरे अंदर ये बात आज तक नहीं आ पाई। मैं बहुत बोरिंग इंसान हूं। मेरी वाइफ को भी बोरिंग इंसान लगता हूं।

इस शो में आप सबके लिए सबसे यादगार क्या रहा?

रोहन सिप्पी जिस तरह से अपने एक्टर्स और यूनिट को हैंडल करते हैं, वो वाकई में कमाल होता है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक यादगार पल है। कभी नहीं लगा कि हम कुछ बड़ा या बहुत भारी टास्क कर रहे हैं, जबकि 6-7 एपिसोड काफी भारी हैं। इसके अलावा खुशकिस्मती कहिए, पूरी कास्ट भी कमाल की मिली है। सीन कट होने के बाद सबसे एक अलग बॉन्डिंग थी। सेट पर एक घरेलू माहौल होता था। रोहन की जितनी तारीफ की जाए वो कम है। वो बड़ा से बड़ा सीक्वेंस इतनी आसानी से करा लेते थे।

आपके डायलॉग मीम कल्चर का हिस्सा हैं। इस शो में भी ऐसे कई डायलॉग हैं। ये स्क्रिप्ट में होता है या आप खुद क्रिएट करते हैं।

मैं खुद भी जोड़ता हूं। इस शो का किरदार माधव हिंदी इलाके से आता है। मुंबई के मीरा रोड में रहकर सर्वाइवल की लड़ाई लड़ रहा है। यहां रहते हुए वो मुंबई की भाषा बोलने लगा है। मुंबईकर होने के बाद भी, वो अपने गांव-घर वाले मुहावरे बोलता है। जैसा कि श्वेता ने कहा कि वो किरदार की तैयारी करती हैं। ठीक वैसे मैं भी जो बिहारी मुहावरे में जानता हूं, वो माधव के मुंह से बुलवाता हूं।

जब अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने पहली बार कहानी नेरेट की थी, तब आपको लगा था कि ये इंडिया की लांगेस्ट रनिंग सीरीज बन जाएगी।

मुझे बिल्कुल ऐसा नहीं लगा था। कहानियां अच्छी हैं इसलिए लोगों को पसंद आती हैं। मैं अपनी बात करूं तो मुझे चौथे सीजन की कहानी बहुत पसंद आई। मैंने पहला एपिसोड सुनकर बोल दिया था कि बढ़िया कहानी है। लीगल ड्रामा इसलिए भी लोगों को पसंद आ रहा क्योंकि उन्हें नई- नई चीजें पता चलती हैं।

मैं जब तक किसी रोल को निभा रही होती हूं, वो मेरे अंदर रहता है

पंकज त्रिपाठी और श्वेता बसु की जोड़ी वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' का चौथा सीजन लेकर आ रहे हैं। इस बार इसमें उनके साथ दिखेंगी सुरवीन चावला।

सुरवीन आपका किरदार बहुत लेयर्ड है। इस किरदार से निकलने में कितनी मुश्किल हुई?

मेरे साथ ऐसा है कि मैं जब तक किसी रोल को निभा रही होती हूं, वो मेरे अंदर रहता है। जैसे ही किरदार खत्म होता है, मैं उससे बाहर आ जाती हूं। मैंने एक बार किरदार छोड़ दिया फिर वो छूट ही जाता है। मैं ज्यादा वक्त तक उस किरदार में रह नहीं पाती। सीजन-4 में अंजू एक किस्म की इमोशनल कोर भी है। उसकी लाइफ के कुछ फैसले, गलत को सही से परे करना, ये सारी बातें शो के दौरान कठिन और सरप्राइजिंग रहा। मुझे इस शो के कास्ट एंड क्रू के साथ काम करके बहुत मजा आया। मैंने इस चीज को बहुत एंजॉय किया। सीन कट होने के बाद हम सबकी जो एनर्जी होती थी, वो यादगार रहेगी। शायद, इस वजह से भी मैं अपने किरदार से आसानी से निकल जाती थी।

इस शो में आप सबके लिए सबसे यादगार क्या रहा?

रोहन सर की एक और बात है, जो उन्हें अलग बनाती है। वो जो भरोसा हम पर रखते थे, ऐसा लगता था कि किरदार का पकड़ हमारे हाथ में है। ऐसा भरोसा अगर एक डायरेक्टर अपने एक्टर्स के हाथ में सौंप दे तो मजा दोगुना हो जाता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।